प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

सांध्य दैनिक
यूनिक समय

RNI-UPHIN/2023/85053

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त : DAVP-: 134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026—28

वर्ष-4 | अंक-31 | मथुरा, शनिवार, 28 मार्च 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

INS ACCREDITED
यूनिकॉम
unicomadvertising.com

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

अप्रैल से बदलेगा आंगनबाड़ी राशन सिस्टम

अब सीधे केंद्रों पर मिलेगा पोषाहार

मुख्य संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। जिले की आंगनबाड़ियों में मिलने वाले पोषाहार को लेकर बड़ा बदलाव होने जा रहा है। सम्भावना है कि 1 अप्रैल से नई व्यवस्था लागू हो सकती है, जिसके बाद पहले की तरह राशन वितरण नहीं होगा। अब पोषाहार सीधे आंगनबाड़ी केंद्रों पर पहुंचेगा और वहीं से वास्तविक लाभार्थियों को दिया जाएगा। जिला कार्यक्रम अधिकारी बुद्धि मिश्रा ने बताया कि इस नई व्यवस्था का उद्देश्य पोषाहार वितरण को आसान और पारदर्शी बनाने के लिए अब बीच में किसी तरह की गड़बड़ी की संभावना कम हो जाएगी और सही लोगों तक सही मात्रा में राशन पहुंच सकेगा। उन्होंने बताया कि जिले में एफआरएस के जरिए 2 लाख 21 हजार 900 लाभार्थियों का पंजीकरण किया गया है। इनमें छोटे बच्चे, गर्भवती महिलाएं और धात्री माताएं शामिल हैं। लेकिन अब पोषाहार सिर्फ उन्हीं लोगों को मिलेगा, जो हर महीने नियमित रूप से राशन लेते रहे हैं। यानी सिर्फ पात्र और सक्रिय लाभार्थियों को ही इसका फायदा मिलेगा। नई व्यवस्था के साथ पोषाहार के मेन्यू में भी बदलाव किया गया है। अब बच्चों और महिलाओं को उनकी जरूरत के हिसाब से बेहतर और संतुलित आहार दिया जाएगा, जिससे उनका स्वास्थ्य और विकास बेहतर हो सके। अब तक कई बार शिकायतें मिलती थीं कि राशन सही से नहीं पहुंच रहा या कुछ लोगों को पूरा लाभ नहीं मिल पा रहा। लेकिन अब पोषाहार सीधे केंद्रों पर पहुंचने से ऐसी समस्याएं काफी हद तक कम हो जाएगी। विभाग ने साफ कहा है कि जिन लोगों ने पंजीकरण तो करा लिया है, लेकिन वे नियमित रूप से राशन नहीं ले रहे हैं, उनका नाम सूची से हटाया जा सकता है। लेकिन समय पर आंगनबाड़ी केंद्र पर जाकर अपना पोषाहार लेना चाहिए। नई व्यवस्था को लागू करने के लिए विभाग ने तैयारियां कर ली हैं और सभी केंद्रों को निर्देश दे दिए गए हैं कि इससे आंगनबाड़ी व्यवस्था मजबूत होगी और जरूरतमंदों को समय पर पोषण मिल सकेगा।

मेन्यू में बदलाव, केवल लाभार्थियों को ही मिलेगा राशन

यमुना स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण पर डीएम सख्त

जिला पर्यावरण समिति, जिला गंगा समिति एवं यमुना एक्शन प्लान से संबंधित बैठक की अध्यक्षता करते डीएम सीपी सिंह।

गंगा ग्रामों में एक साथ चौपाल, एसटीपी प्लांट की नियमित जांच और अपशिष्ट प्रबंधन पर जोर

यूनिक समय, मथुरा। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह की अध्यक्षता में जिला पर्यावरण समिति, जिला गंगा समिति एवं यमुना एक्शन प्लान से संबंधित एक महत्वपूर्ण बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की गई। बैठक में जनपद में पर्यावरण संरक्षण, वर्ष 2026 के पौधारोपण अभियान, यमुना की स्वच्छता, प्रदूषण नियंत्रण, स्वच्छता पखवाड़ा, एसटीपी प्लांट, गंगा उत्सव और यमुना आरती जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। जिलाधिकारी ने पंचायत विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनपद के सभी 67 गंगा ग्रामों में गंगा ग्राम समिति, आर्द्रभूमि समिति और ग्राम चौपाल का आयोजन एक साथ पंचायत स्तर पर कराया जाए। उन्होंने एसटीपी प्लांटों की नियमित जांच होने के लिए निर्देश दिए। डीएफओ वेंकट श्रीकर पटेल ने बताया कि पूर्व बैठक में दिए गए निर्देशों के के अनुसार गोवर्धन स्थित राधाकुंड वन ब्लॉक में जलकुंभी की सफाई का कार्य पूर्ण करा दिया गया है। वहीं मल्याहारण कुंड में साफ–सफाई और जीर्णोद्धार का कार्य शीघ्र शुरू कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि यमुना की स्वच्छता बनाए रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। सभी विभाग आपसी समन्वय से कार्य करते हुए तय लक्ष्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा करें। नगर निगम और अन्य निकायों को निर्देश दिए गए कि ठोस अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली को मजबूत करें और नालों के माध्यम से नदियों में गंदा पानी जाने से रोकने के प्रयास किए जाने चाहिए। साथ ही जनपद में बंदरों के प्रबंधन को लेकर भी नगर निगम, पुलिस और वन विभाग के साथ कार्ययोजना बनाने पर चर्चा हुई। इस अवसर पर नगर आयुक्त जग प्रवेश, मुख्य विकास अधिकारी डॉ. पूजा गुप्ता, उपायुक्त मनरेगा विजय कुमार पांडेय, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी रतन कीर्ति सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

शिकायत से खुली पोल से मथुरा में बढ़ी टेंशन

रेलवे के बंगले में कर्मचारी बने अधिकारियों के सेवक!

ट्रैक सुरक्षा छोड़ बंगले संभाल रहे कर्मचारी

कागजों में ड्यूटी, हकीकत में 'सेवक' बनकर काम

रेलवे बोर्ड ने दिए जांच के आदेश

यूनिक समय, मथुरा। देशभर में सुधार और पारदर्शिता की बातें हो रही हैं, लेकिन रेलवे के कुछ अधिकारियों के बंगले आज भी किसी पुराने रजवाड़े से कम नहीं लगते। हाल ही में कोटा मंडल से सामने आई शिकायत ने इस व्यवस्था की पोल खोल दी है, जिसकी गूंज अब मथुरा तक सुनाई दे रही है। बताया जा रहा है कि रेलवे के कई कर्मचारी, जिनकी ड्यूटी ट्रैक सुरक्षा, सिग्नल और ऑपरेशन जैसे अहम कार्यों में होनी चाहिए, वे अधिकारियों के बंगलों पर "सेवक" बनकर काम कर रहे हैं। झाड़ू–पोंछा, बागवानी, खाना बनाना, बच्चों को घुमाना–सब कुछ वही कर्मचारी कर रहे हैं, जिनकी जिम्मेदारी यात्रियों की सुरक्षा से जुड़ी होती है। कोटा की शिकायत में खुलासा हुआ कि इन कर्मचारियों की ड्यूटी रिकॉर्ड में कहीं और दिखाई जाती है, जबकि हकीकत में वे बंगलों पर तैनात रहते हैं। यही स्थिति मथुरा सहित अन्य मंडलों में भी होने की चर्चा है। स्थानीय सूत्रों का कहना है कि यहां भी कई कर्मचारी "ऑफिस" के बजाय "बंगला ड्यूटी" निभा रहे हैं। सबसे दिलचस्प बात यह है कि सुरक्षा से जुड़े कर्मचारी, जो ट्रैक पर होने चाहिए, वे किचन और गार्डन में व्यस्त हैं। ऐसे में सवाल उठता है–अगर ट्रैक पर कोई समस्या हो जाए, तो जिम्मेदारी कौन लेगा? शिकायत प्रधानमंत्री तक पहुंचने के बाद रेलवे बोर्ड हरकत में आया है और जांच के आदेश दे दिए गए हैं। लेकिन व्यंग्य यही है कि जांच भी कहीं "कागजों पर" ही पूरी न हो जाए, जैसा कि आरोपों में कहा गया है। रेलवे के इस "बंगला कल्चर" पर लोग तंज कस रहे हैं–"जहां ट्रेनें समय से न चलें, वहां झाड़ू समय पर लगना ज्यादा जरूरी है!" अब देखना होगा कि यह मामला भी बाकी फाइलों की तरह धूल फांकता है या वाकई कुछ बदलाव आता है।

राज्यसभा में निजी स्कूलों की फीस वृद्धि का मुद्दा उठा

सांसद तेजवीर सिंह ने सख्त कार्रवाई की मांग की

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा राज्यसभा सांसद तेजवीर सिंह ने बजट सत्र के दौरान निजी स्कूलों में मनमानी फीस वृद्धि का मुद्दा जोरदार तरीके से सदन में उठाया। उन्होंने कहा कि देशभर के निजी विद्यालय ट्यूशन फीस के साथ–साथ एडमिशन, एक्टिविटी, ट्रांसपोर्ट और अन्य मदों के नाम पर अभिभावकों से अत्यधिक शुल्क वसूल रहे हैं, जिससे मध्यम और निम्न वर्गीय परिवारों पर भारी आर्थिक बोझ पड़ रहा है। सांसद तेजवीर सिंह ने कहा कि शिक्षा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र में इस तरह की अनियंत्रित फीस वृद्धि केवल अभिभावकों का शोषण ही नहीं है, बल्कि यह सामाजिक असमानता को भी बढ़ावा देती है। उन्होंने चिंता जताई कि कई परिवार बच्चों की पढ़ाई जारी रखने के लिए कर्ज लेने को मजबूर हैं, जो अत्यंत गंभीर स्थिति है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में शिक्षा क्षेत्र में किए जा रहे सुधारों और नई शिक्षा नीति की सराहना करते हुए कहा कि सरकार शिक्षा को आधुनिक और सुलभ बनाने के लिए प्रयासरत है, लेकिन कुछ निजी स्कूलों की मुनाफाखोरी इन प्रयासों पर पानी फेर रही है। सांसद तेजवीर सिंह ने सदन में तीन प्रमुख मांगें रखीं। पहली, निजी स्कूलों की फीस वृद्धि पर नियंत्रण के लिए सख्त राष्ट्रीय या राज्य स्तरीय नीति बनाई जाए। दूसरी, सभी स्कूलों की फीस संरचना को पूरी तरह पारदर्शी किया जाए ताकि कोई भी छिपा हुआ शुल्क न लिया जा सके। तीसरी, जिला स्तर पर शिकायत निवारण तंत्र या लोकपाल की व्यवस्था की जाए, जिससे अभिभावकों की समस्याओं का तुरंत समाधान हो सके। उन्होंने कहा कि यदि समय रहते इस पर नियंत्रण नहीं किया गया तो इसका व्यापक सामाजिक और आर्थिक प्रभाव पड़ेगा और आने वाली पीढ़ियों पर इसका गंभीर असर देखने को मिलेगा।

सख्ती एक अप्रैल से नए नियमों से मचेगी हलचल

पैन–आधार में नाम अलग तो कार्ड होगा बेकार

यूनिक समय, नई दिल्ली। नए वित्त वर्ष 2026–27 की शुरुआत के साथ ही पैन कार्ड से जुड़े नियमों में बड़े बदलाव लागू होने जा रहे हैं। सरकार ने पैन और आधार को लेकर सख्ती बढ़ा दी है, जिसके तहत अब दोनों दस्तावेजों में नाम का एक जैसा होना अनिवार्य कर दिया गया है। यदि नाम में अंतर पाया गया तो पैन कार्ड को निष्क्रिय या रद्द किया जा सकता है। अधिकारियों के अनुसार, यह कदम करदाताओं की पहचान को सटीक बनाने और वित्तीय प्रणाली में गड़बड़ियों को रोकने के उद्देश्य से उठाया गया है। कॉमन सर्विस सेंटर ने लोगों को सलाह दी है कि वे समय रहते अपने पैन और आधार में नाम की समानता सुनिश्चित कर लें। नाम में बदलाव या सुधार के लिए एनएसडीएल या यूटीआईआईटीएसएल के माध्यम से आवेदन किया जा सकता है। नए नियमों के तहत पैन कार्ड के लिए पुराने आवेदन फॉर्म अब मान्य नहीं होंगे। एक अप्रैल से केवल नया फॉर्म ही स्वीकार किया जाएगा, जो नए आवेदन और अपडेट दोनों के लिए लागू होगा। इसके अलावा, अब केवल आधार कार्ड के आधार पर पैन बनवाने की सुविधा भी समाप्त की जा रही है। आवेदकों को पहचान के साथ–साथ जन्मतिथि के प्रमाण के लिए अलग दस्तावेज देना अनिवार्य होगा, जैसे जन्म प्रमाणपत्र, 10वीं की मार्कशीट, पासपोर्ट या ड्राइविंग लाइसेंस। नाम बदलवाने की प्रक्रिया में भी अतिरिक्त सावधानी बरतनी होगी। शादी के बाद नाम बदलने पर मैरिज सर्टिफिकेट या पति के नाम वाला दस्तावेज देना होगा, जबकि कानूनी बदलाव के लिए गजट नोटिफिकेशन जरूरी होगा।

वहीं, वित्तीय लेन–देन के नियम भी सख्त किए गए हैं। अब एक साल में 10 लाख रुपये से अधिक नकद जमा या निकासी पर पैन जरूरी होगा। प्रॉपर्टी खरीद की सीमा 20 लाख रुपये कर दी गई है, जबकि 5 लाख रुपये से अधिक कीमत के वाहन खरीदने पर भी पैन अनिवार्य होगा। विशेषज्ञों का मानना है कि इन बदलावों से पारदर्शिता बढ़ेगी, लेकिन आम लोगों को समय रहते अपने दस्तावेज अपडेट कराने होंगे, ताकि किसी परेशानी से बचा जा सके।

पैन–आधार मिसमैच पर होगी कड़ी कार्रवाई

नाम और जन्मतिथि के दस्तावेज होंगे जरूरी

बड़े लेन–देन में पैन दिखाना अब अनिवार्य

नए नियमों से बदलेगा पैन कार्ड का पूरा सिस्टम

पर्यटन को मिलेगा नया विस्तार बरसाना में

परिक्रमा मार्ग पर बनेगा आधुनिक पर्यटन हब

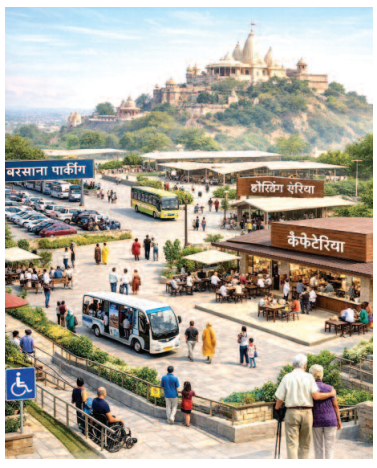

यूनिक समय, मथुरा। ब्रज क्षेत्र के प्रमुख धार्मिक स्थल बरसाना में श्रद्धालुओं और पर्यटकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए बड़ा विकास प्रोजेक्ट मंजूर किया गया है। बरसाना परिक्रमा मार्ग पर पार्किंग, कैफेटेरिया और पर्यटन विश्राम हेतु होल्डिंग एरिया विकसित करने की योजना को प्रशासनिक एवं वित्तीय मंजूरी मिल गई है। इस परियोजना की कुल अनुमानित लागत करीब 11 करोड़ 17 लाख रुपये निर्धारित की गई है। इसके तहत प्रथम चरण में 5 करोड़ 58 लाख रुपये से अधिक की धनराशि जारी की गई है, जिससे कार्य शुरू करने का रास्ता साफ हो गया है। योजना के तहत बरसाना परिक्रमा मार्ग पर आने वाले श्रद्धालुओं के लिए

पार्किंग, कैफेटेरिया और होल्डिंग एरिया के लिए 11.17 करोड़ की मंजूरी

सुव्यवस्थित पार्किंग, खानपान की सुविधाएं (कैफेटेरिया) और विश्राम के लिए आधुनिक होल्डिंग एरिया तैयार किया जाएगा। इससे विशेष अवसरों और पर्वों के दौरान बढ़ने वाली भीड़ को नियंत्रित करने में भी मदद मिलेगी। मथुरा–वृंदावन विकास प्राधिकरण को इस परियोजना का कार्यदायी संस्थान बनाया गया है, जो इसकी गुणवत्ता, समयबद्धता और मानकों का पालन सुनिश्चित करेगा। साथ ही निर्माण कार्य शुरू करने से पहले सभी आवश्यक तकनीकी स्वीकृतियां और पर्यावरणीय अनुमति प्राप्त करना अनिवार्य होगा। परियोजना में दिव्यांगजन के लिए विशेष सुविधाएं भी सुनिश्चित की जाएंगी, ताकि सभी वर्गों के श्रद्धालु आसानी से लाभ उठा सकें।

तीर्थ पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा

बरसाना, जो राधा रानी की नगरी के रूप में प्रसिद्ध है, वहां इस तरह की आधुनिक सुविधाओं के विकास से धार्मिक पर्यटन को नया आयाम मिलेगा और स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी।

तापमान / मौसम

37 डिग्री सेल्सियस अधिकतम

21 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम

सोना–चांदी भाव

सोना
24 कैरेट 1,47,060
22 कैरेट 1,35,295
(रेट प्रति 10 ग्राम में, जीएसटी समेत)

चांदी
2,27,990 प्रति किलो

पढ़िए वो जो पढ़ना चाहिए
यूनिक समय
www.uniquesamay.com

बच्चों की नियमित उपस्थिति और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर जोर

शिक्षा चौपाल में उपस्थित अभिभावक और शिक्षक।

यूनिक समय, मथुरा। जैंत स्थित उच्च प्राथमिक विद्यालय प्रथम में शिक्षा चौपाल का आयोजन किया गया। चौपाल में जैंत न्याय पंचायत क्षेत्र के सभी परिषदीय विद्यालय शामिल हुए। आयोजन नोडल शिक्षक संकुल जय श्रीकृष्ण उपाध्याय के निर्देशन में किया गया। उन्होंने शिक्षा चौपाल के महत्व के बारे में बताते हुए अभिभावकों से कहा कि वे बच्चों की शिक्षा में सक्रिय भूमिका निभाएं। चौपाल के दौरान बच्चों के नामांकन, नियमित उपस्थिति और शैक्षिक गुणवत्ता में सुधार जैसे महत्वपूर्ण विषयों के बारे में बताया। इस मौके पर गिरीश कुमार कौशिक, मुकुल कांत उपाध्याय, ब्रजराज सारस्वत, संकुल प्रवीण भारती, श्रीमती दिव्या सक्सेना आदि मौजूद रहे।

प्रतिभा सम्मान समारोह में मेधावी विद्यार्थी हुए सम्मानित

प्रतिभा सम्मान समारोह में मेधावी छात्राओं के साथ शिक्षक व पदाधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। मदन मोहन कलावती सर्राफ सरस्वती विद्या मंदिर परिसर में 'वार्षिक परीक्षाफल एवं पुरस्कार वितरण समारोह 2025–26' हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर विद्यालय के प्रबंधक योगेश यादव, उपप्रबंधक डॉ. महेंद्र सिंह सहित अभिभावकों ने उपस्थित होकर विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। समारोह में कक्षा 6, 7, 8, 9 एवं 11 के उन होनहार छात्र–छात्राओं को सम्मानित किया गया, जिन्होंने वर्षभर की मेहनत से प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया। विद्यालय प्रशासन ने बताया कि शिक्षा के साथ–साथ बच्चों के सर्वांगीण विकास पर विशेष ध्यान दिया जाता है। इसी क्रम में मेहंदी, राखी मेकिंग, रंगोली, हिंदी ओलंपियाड, घोष, संगीत एवं नृत्य जैसी विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को भी पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम के दौरान अभिभावकों ने बच्चों की उपलब्धियों की सराहना की और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

नि:शुल्क बाल स्वास्थ्य शिविर में 40 से अधिक बच्चों की जांच

सिम्स हॉस्पिटल में नि:शुल्क बाल रोग स्वास्थ्य शिविर में बच्ची को देखते डॉक्टर।

यूनिक समय, मथुरा। सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस (सिम्स हॉस्पिटल) में नवजात शिशुओं एवं बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य के उद्देश्य से निःशुल्क पीडियाट्रिक हेल्थ कैम्प का आयोजन किया गया। इस शिविर में वरिष्ठ बालरोग विशेषज्ञ डॉ. रितेन गोयल ने 40 से अधिक बच्चों को निःशुल्क परामर्श प्रदान किया। साथ ही ब्लड शुगर और ब्लड प्रेशर की जांचें भी मुफ्त की गईं, जबकि रेडियोलॉजी एवं पैथोलॉजी जांचों पर 30 प्रतिशत की छूट दी गई। शिविर में सर्दी–जुकाम, बुखार, दस्त एवं त्वचा संबंधी

सिम्स हॉस्पिटल में नि:शुल्क बालरोग स्वास्थ्य शिविर आयोजित

समस्याओं से ग्रसित बच्चों का उपचार किया गया। उपस्थित अभिभावकों ने सिम्स हॉस्पिटल के चेयरमैन डॉ. गौरव भारद्वाज एवं चिकित्सकीय टीम का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर डॉ. गौरव भारद्वाज ने कहा कि स्वस्थ बच्चे ही देश का उज्ज्वल भविष्य हैं। उन्होंने बताया कि सिम्स हॉस्पिटल में 24 घंटे अनुभवी चिकित्सकों द्वारा अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ बच्चों का बेहतर इलाज उपलब्ध है।

वाहन हटाने को लेकर विवाद में मारपीट, पुलिस ने दो आरोपियों को पकड़ा

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा के राया थाना क्षेत्र में शुक्रवार रात वाहन हटाने को लेकर हुआ विवाद अचानक हिंसक झड़प में बदल गया। सूरज फाटक के पास स्कूटी और डीजे लगी मैक्स गाड़ी के बीच रास्ते को लेकर कहासुनी शुरू हुई, जो बाद में मारपीट तक पहुंच गई। आरोप है कि एक पक्ष के लोगों ने ओमवीर पर हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया, जबकि उसे बचाने आए शिवकुमार को भी चोटें आईं। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को हिरासत में लिया और वाहन जब्त किया। घायलों का अस्पताल में उपचार जारी है। अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है।

राजीव इंटरनेशनल स्कूल के मेधावी छात्र–छात्राएं सम्मानित

सम्मानित होनहारों के चेहरे पर दिखी खुशी और आत्मविश्वास

मेधावी छात्र–छात्राओं को सम्मानित करती मुख्य अतिथि डॉ. नवप्रीत कौर साथ में हैं आरआईएस की प्रधानाचार्या प्रिया मदान।

यूनिक समय, मथुरा। राजीव इंटरनेशनल स्कूल में शनिवार को प्रतिभा, परिश्रम और सफलता का भव्य उत्सव देखने को मिला। वर्षभर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र–छात्राओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में केडी डेंटल कॉलेज एंड हॉस्पिटल की डीन एवं प्राचार्या डॉ. नवप्रीत कौर ने मेधावी विद्यार्थियों को ट्रॉफी, मेडल और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। विद्यालय परिसर में सुबह से ही उल्लास का माहौल रहा। छात्र–छात्राओं ने कला प्रदर्शनी में लोक कला, छवि चित्र, कम्पोजिशन, वस्तु चित्र और प्रकृति चित्रों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इन कलाकृतियों को जल रंग, पेंसिल रंग, एक्रेलिक और पोस्टर रंगों से सजाया गया, जिसकी मुख्य अतिथि ने सराहना की। समारोह में 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को स्कॉलर बैज प्रदान किए गए। वहीं शत–प्रतिशत उपस्थिति और विभिन्न ओलम्पियाड में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र–छात्राओं को मेडल, शील्ड और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। सम्मान पाकर विद्यार्थियों के चेहरे खुशी से खिल उठे। अपने संबोधन में डॉ. नवप्रीत कौर ने विद्यार्थियों को लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने और निरंतर प्रयास करते रहने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि दृढ़ निश्चय और मेहनत से ही सफलता हासिल होती है। प्रधानाध्यापिका प्रिया मदान ने कहा कि विद्यालय में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है और छात्र–छात्राएं हर क्षेत्र में अपनी सफलता का परचम लहरा रहे हैं। वहीं विद्यालय के चेयरमैन मनोज अग्रवाल ने छात्र–छात्राओं को प्रेरित करते हुए कहा कि यह सम्मान केवल एक पड़ाव है, आगे और ऊंचाइयों को हासिल करना ही लक्ष्य होना चाहिए। उन्होंने कहा कि सफलता उन्हीं को मिलती है, जो कठिन परिश्रम, आत्मविश्वास और अनुशासन के मार्ग पर अडिग रहते हैं। जीवन में ज्ञान ही सफलता की असली कुंजी है, जो न केवल व्यक्ति

जब तक मंजिल न मिले बगैर रुके प्रयास करते रहें: डॉ. नवप्रीत कौर

बल्कि पूरे समाज को प्रकाशित करती है। उन्होंने यह भी कहा कि नियमित अध्ययन करने वाले विद्यार्थी ही सर्वोच्च अंक प्राप्त करते हैं और मेरिट केवल शिक्षा तक सीमित नहीं, बल्कि हर क्षेत्र में होनी चाहिए। अपनी प्रतिभा को विकसित करने की जिम्मेदारी स्वयं उठानी होती है। अंत में उन्होंने सफलता के चार सूत्र– दृढ़निश्चय, आत्मविश्वास, लगन और अथक परिश्रम–बताकर विद्यार्थियों का उत्साह बढ़ाया। कार्यक्रम में कुलपति डॉ. मनेष लाहौरी, प्रति–कुलपति डॉ. गौरव सिंह और कुलसचिव डॉ. विकास कुमार अग्रवाल जैसे गणमान्य व्यक्तियों की प्रेरणा का भी उल्लेख किया गया, जिससे विद्यार्थियों को आगे बढ़ने की नई ऊर्जा मिली।

कल्याणं करोति नेत्र शिविर में 983 मरीज लाभान्वित

यूनिक समय, मथुरा। स्व श्री जगदीश कुमार मित्तल एवं श्रीमती सुमन मित्तल की पुण्य स्मृति में सेठ कन्हैयालाल धार्मिक ट्रस्ट के सौजन्य से कल्याणं करोति नेत्र संस्थान, मथुरा द्वारा आयोजित निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर का समापन गोवर्धन रोड परिसर में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारम्भ भगवान श्री गणेश जी के समक्ष धनेश मित्तल एवं परिवारजनों द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। धनेश मित्तल ने बताया कि यह शिविर प्रतिवर्ष उनके माता–पिता की स्मृति में आयोजित होता है और यह पन्द्रहवाँ शिविर रहा। श्रुति मित्तल ने दादा–दादी का स्मरण करते हुए कहा कि परिवार सेवा कार्य में निरंतर सहयोग

नि:शुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर का समापन

करता रहेगा। शैलेन्द्र चतुर्वेदी ने बताया कि संस्थान में आयुष्मान कार्ड धारकों सहित सभी को उपचार सुविधा उपलब्ध है।

सुनील कुमार शर्मा ने बताया कि शिविर में 983 मरीजों का परीक्षण हुआ तथा 101 की शल्य चिकित्सा सफल रही। शिविर में दवाइयाँ, चश्मे, भोजन एवं आवासीय व्यवस्थाएँ निःशुल्क उपलब्ध कराई गईं। संचालन निरूपम भार्गव, राजेश मित्तल, नीता मित्तल, सन्देश मित्तल, मुकेश अग्रवाल उपस्थित रहे।

आलू को मार गई मंदी, चेचक से हो गया छेद

आलू किसानों को इस बार पड़ेंगे लागत निकालने के लाले

यूनिक समय, फरह। आलू फसल ने इस बार उत्पादक किसानों की खुशियों पर ग्रहण लगा दिया है। बाजार में भाव कम होने से किसान को लागत नहीं मिल रही है। वहीं, चेचक का प्रकोप होने से किसान के खेत में उत्पादन पर भी असर पड़ा है और इससे काफी मात्रा में आलू खराब भी हो गया है। नुकसान के बावजूद किसान आलू फसल से दूरी नहीं बना रहे हैं। फरह क्षेत्र के खेतों की माटी थककर चूर हो चुकी है। एक के बाद एक नई फसल लेने से मिट्टी को पोषक तत्वों को रिचार्ज करने का मौका नहीं मिल पा रहा है। नतीजन, कैल्शियम और बोरान सरीखे सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी हो गई है और आलू की फसल चेचक की चपेट में आ गई। यह समस्या पिछले कई वर्ष से है। वजह जानने को कृषि रक्षा विभाग ने मृदा परीक्षण कराया तो यह तथ्य सामने आया है। इस रोग में पौधे की जड़ में उगने वाले आलू के दाने दागदार और गड्ढेदार हो जाते हैं और चेचक की दाग सरीखे दिखते हैं। इससे पैदावार करीब 40 से 60 प्रतिशत तक प्रभावित

आलू में लगे चेचक को दिखाता किसान।

अब खोदाई का काम हो चुका है, किसान हैं परेशान

हो जाती है। जिला कृषि रक्षा विभाग के अनुसार, छह साल पहले आलू में इस रोग की पहली बार रिपोर्ट बिसू से आई थी। चार साल पहले से इसके रकबे में तेजी से बढ़ोत्तरी हुई। जिला कृषि अधिकारी आवेश कुमार ने बताया कि चेचक रोग से प्रभावित आलू वाले खेतों की मिट्टी में गोबर के खाद का इस्तेमाल नहीं हुआ है और सामान्यतया मौजूद रहने वाले दो सूक्ष्म पोषक तत्व बोरान और कैल्शियम शून्य हो गए। इससे फसल अविकसित रह गई। जिन खेतों में यह रोग दिखा है, अगले साल उसमें आलू की फसल न बोएं। बताए गए उपचार को अपनाएं और दो फसलों के बीच जुताई–बुवाई में गैप रखें।

भीमो सिंह कहते हैं कि आलू को चेचक होने की वजह कोई बता नहीं पा रहा और न ही निदान बताए जा रहे हैं। ऐसे में तो आलू की खेती से दूरी बनाना ही एकमात्र रास्ता दिख रहा है।

लच्छी सिंह ने कहा कि आलू में लगे चेचक रोग को देखते हुए पारंपरिक दवाएं छिड़की गईं, लेकिन कोई लाभ नहीं हुआ है। आलू बेकार हो गए हैं और लागत भी नहीं निकली है।

ऐसे करें उपचार

कैल्शियम नाइट्रेट 10 ग्राम प्रति लीटर और आधा ग्राम बोरान प्रति लीटर मिलाकर हफ्ते में दो से तीन बार छिड़काव कर दें। अगली फसल लेने से पहले खेत को माह–दो माह का विराम अवश्य दें। इस विरामक्षकाल में ट्राईकोडर्मा ढाई किलो प्रति हेक्टेयर गोबर के खाद में मिलाकर प्रभावित खेतों में डालें। जिप्सम दो कुंतल प्रति हेक्टेयर डालें।

मिशन शक्ति: पुलिस ने महिलाओं को किया सशक्त

मिशन शक्ति 5 .0 के द्वितीय चरण में "रन फॉर एंपावरमेंट" को हरी झंडी दिखाते पुलिस अधीक्षक ग्रामीण।

यूनिक समय, मथुरा। उत्तर प्रदेश सरकार के महत्वाकांक्षी "मिशन शक्ति फेज–5.0" के द्वितीय चरण के अंतर्गत मथुरा पुलिस द्वारा महिला सशक्तिकरण और जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए "रन फॉर एंपावरमेंट" कार्यक्रम का आयोजन पुलिस अधीक्षक ग्रामीण मथुरा के नेतृत्व में किया गया। जिसमें मिशन शक्ति टीम की महिला पुलिसकर्मियों, अधिकारियों एवं बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। जिसका शुभारंभ पुलिस अधीक्षक ग्रामीण द्वारा हरी झंडी दिखाकर किया गया। यह रन मथुरा पुलिस लाइन से प्रारंभ होकर यमुना टी–पॉइंट तक आयोजित की गई। मथुरा पुलिस द्वारा विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम निरंतर आयोजित किए जा रहे हैं। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं और बालिकाओं को उनके अधिकारों, आत्मरक्षा के उपायों तथा गुड टच और बैड टच के बारे में जानकारी दी जा रही है। साथ ही यह भी बताया गया कि यदि सार्वजनिक स्थानों, बसों या रास्तों में छेड़छाड़ जैसी घटनाएं होती हैं, तो डरने के बजाय तुरंत हेल्पलाइन नंबर 1090, 181, 112 और 108 पर संपर्क करें या नजदीकी थाने में जाकर शिकायत दर्ज कराएं।

मिशन शक्ति अभियान के तहत एंटी रोमियो टीमों द्वारा विद्यालयों, कोचिंग संस्थानों, बाजारों एवं अन्य सार्वजनिक स्थलों पर सतत निगरानी रखी जा रही है। थाना सदर बाजार, मांट एवं शेरगढ़ क्षेत्रों में मिशन शक्ति टीमों द्वारा विशेष जनजागरूकता अभियान चलाकर महिलाओं को सुरक्षा के प्रति सजग किया गया।

इस अवसर पर प्रतिसार निरीक्षक रामरतन सिंह, थाना सदर बाजार प्रभारी निरीक्षक सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

राजनैतिक दलों की मौजूदगी में डीएम ने परखी व्यवस्थाएं

ईवीएम–वीवीपैट वेयर हाउस का निरीक्षण करते डीएम चंद्रप्रकाश सिंह।

यूनिक समय, मथुरा। जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने जनपद मथुरा स्थित ईवीएम–वीवीपैट वेयरहाउस का त्रैमासिक आंतरिक निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे, जिससे पूरी प्रक्रिया पारदर्शी तरीके से संपन्न हुई। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने वेयरहाउस परिसर की साफ–सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाए रखने के

ईवीएम–वीवीपैट वेयर हाउस में सुरक्षा के इंतजाम दुरुस्त करने के निर्देश

निर्देश दिए।

साथ ही सुरक्षा व्यवस्था की गहन समीक्षा करते हुए सीसीटीवी कैमरों की कार्यप्रणाली को परखा। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी कैमरे सुचारु रूप से कार्य करते रहें और उनकी नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए।

नि:शुल्क पिंक रोजगार मेला रविवार को

यूनिक समय, मथुरा। जिला सेवायोजन अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि जिला सेवायोजन कार्यालय एवं खजानी वैलफेयर सोसाइटी के संयुक्त तत्वावधान में 29 मार्च को अपराह्न 1 बजे से ब्रज कला केन्द्र, मसानी तिराहा के पास वृन्दावन गेट, मथुरा में एक दिवसीय नि:शुल्क पिंक रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। रोजगार मेले में महिलाओं के लिए बुटीक, ब्यूटी, होटल शिक्षण आदि क्षेत्रों में रोजगार के अवसर प्रदान किये जायेंगे। जिसमें स्थानीय नियोजक प्रतिभाग करेंगे। इच्छुक बेरोजगार महिला अभ्यर्थी रविवार को अपने समस्त मूल प्रमाण–पत्र, फोटो एवं अन्य अभिलेखों जैसे– शैक्षिक योग्यता, तकनीकी योग्यता, के साथ अपरान्ह 1 बजे संस्थान में उपस्थित हो।

यूनिक समय

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।

कार्यालय:– यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।

संपादक–पवन गौतम

फोन नंबर–0565–2420150,

मो. 9837155888

E-mail : uniquesamaynews@gmail.com

website : uniquesamay.com

RNI-UPHIN/2023/85053

DAVP-: 134220

डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28

सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

स्कूल के बच्चों का किया सम्मान

यूनिक समय, राया। कस्बा के उषा विमल कांत सरस्वती विद्या मंदिर में छात्र छात्राओं का परीक्षा फल एवं पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। विद्यालय के व्यवस्थापक विशाल पाराशर नरेंद्र, देवेंद्र सिंह ने विद्यालय में होनहार छात्र गगन, खुशानक, दर्शिका, गुंजन, मयंक, प्राची, प्रिया, धनन्जय, दिवंसी, गुंजन, तनवीर, कोवेश आदि को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। इस मौके पर प्रधानाचार्य रामसेवक, श्रीनिवास शर्मा, कुलदीप शास्त्री, राजकुमार आदि मौजूद रहे।

राहगीरों की प्यास नहीं बुझा पा रहे शहर में लगे वॉटर कूलर

दर-दर भटक रहे हैं राहगीर, पांच स्थानों पर लगे वॉटर कूलर खराब

यूनिक समय, कोसीकलां। दिनों दिन गर्मी का प्रकोप बढ़ता ही जा रहा है। करीब पांच साल पूर्व नगर पालिका द्वारा पांच स्थानों पर लोगों के लिए पानी पीने को वॉटर कूलर व्यवस्था कराई गई थी। लेकिन वर्तमान समय में सभी स्थानों पर वॉटर कूलर मात्र शोपिस बनकर लगे हुए हैं। अधिकतर वॉटर कूलर या तो खराब हो चुके है, या तो उनकी मोटर फुंक चुकी है। आमजनों की प्यास बुझाने के लिए पालिका प्रशासन की ओर से इन्हें लगवाया गया

कोसीकलां सब्जी मंडी में खराब पड़े वाटर कूलर।

था। लेकिन इनकी देख-रेख न होने के चलते आज यह जर्जर हालत में पहुंच चुके है। गर्मी में शहर के वॉटर कूलर

गर्मी में लोग प्यास बुझाने के लिए भटकते हैं

यूनिक समय, कोसीकलां। सब्जी मंडी, बठैनगेट, नंदगांव रोड अंबेडकर पार्क के सामने, बाईपास चौराहा, पशु पैंठ के पास आदि स्थानों पर वाटर कूलरों की व्यवस्था तो की गई है। लेकिन किसी में तकनीकि खराबी आई तो किसी की टोटी ही गायब हो गई। फिर इन वॉटर कूलरों को दोबारा नहीं सही कराया गया। वॉटर कूलर के साथ नगर में लगे अधिकतर सरकारी हैंडपंप भी खराब पड़े हैं। नगर में आने वाले ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को पानी के लिए भटकना पड़ता है।

खराब हैं। इससे राह चलते लोगों को पानी भी नसीब नहीं हो पा रहा है। नगर पालिका की लापरवाही के कारण लोगों को शीतल जल नहीं मिल पा रहा है। धीरे-धीरे गर्मी बढ़ेगी लेकिन अभी तक ठंडे पानी की कोई व्यवस्था नहीं हुई है। लोग पानी की तलाश में वॉटर कूलर की ओर बढ़ते हैं तो वह खराब मिलते हैं। कुछ ऐसे स्थान हैं, जहां पहले वॉटर कूलर हुआ करते थे आज वहां से गायब हैं। पालिका की लापरवाही के कारण राहगीर पानी को तरस रहे हैं। शहर के एक भी स्थान पर न तो सरकारी हैंडपंप है और न ही कोई प्याऊ गर्मी में लोगों को राहत पहुंचाने के लिए लोग शीतल जल प्याऊ लगवाते है। एक नगर पालिका है जो शहर के वॉटर कूलर को संचालित नहीं करा पा रही है।

नवसंवत्सर पर सजी रंगारंग सांस्कृतिक महफिल

कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुति देती महिलाएं।

यूनिक समय, मथुरा। अंतरराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन जिला मथुरा महिला इकाई द्वारा भूतेश्वर स्थित मुकुंद धाम में जिलाध्यक्ष मीरा मित्तल की अध्यक्षता में नव संवत्सर पर्व उत्साहपूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ माताजी की छवि स्थापित कर दीप प्रज्वलन, गायत्री मंत्र और नारायण स्तुति के साथ हुआ। महामंत्री नविता अग्रवाल, विनीता खंडेलवाल, संगठन मंत्री रश्मि अग्रवाल, कोषाध्यक्ष कविता अग्रवाल एवं मीडिया प्रभारी अंजलि गुप्ता ने आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। संयोजिका मीता अग्रवाल व निशा अग्रवाल ने मंच संचालन किया। कार्यक्रम में विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने समां बांध दिया। गुड़ी पड़वा, बैसाखी और राजस्थान के घूमर नृत्य के साथ हास्य नाटिका ने सभी का मनोरंजन किया। कलाकारों को सम्मानित किया गया तथा नए सदस्यों का स्वागत पटुका पहनाकर किया गया। अंत में प्रीति भोज के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ, जिसमें सभी ने स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद लिया।

श्रीहनुमान मन्दिर का चतुर्दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव 30 मार्च से

यूनिक समय, मथुरा। बहुलावन स्थित श्रीव्यास तपोवन में श्रीराम मित्र मंडल के द्वारा नवनिर्मित श्रीहनुमान मन्दिर में चतुर्दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव ठाकुरश्री कौशल किशोर राम मंदिर के महंत आचार्य रामदेव चतुर्वेदी की अध्यक्षता व विभिन्न संतों-विद्वानों के पावन सानिध्य में 30 मार्च से 02 अप्रैल आयोजित किया जाएगा। जानकारी देते हुए मीडिया प्रभारी गोपाल चतुर्वेदी ने बताया है कि ठाकुरश्री कौशल किशोर महाराज की कृपा एवं साकेतवासी गंगा दास महाराज (पुरी) के आशीर्वाद से आयोजित इस महोत्सव का शुभारंभ 30 मार्च को प्रातः 9 बजे से वेदी पूजन अधिवास व अखंड रामायण पाठ के साथ होगा। 31 मार्च को प्रातः 09 बजे से सायं 07 बजे तक आचार्य डॉ. कुँज किशोर महाराज के द्वारा वैदिक अधिवास, अखण्ड रामायण पाठ का समापन एवं सामूहिक सुन्दर काण्ड पाठ आदि के

आयोजन होंगे। 1 अप्रैल को सायं 04 बजे से होगा। साथ ही भव्य कलश-शोभायात्रा सायं 6 बजे से सरस भजन संध्या का आयोजन होगा। उन्होंने बताया कि 2 अप्रैल को प्रातः 7 बजे से वैदिक मंत्रोच्चार के मध्य न्यास प्राण प्रतिष्ठा का आयोजन होगा। तत्पश्चात 12 बजे से श्रीहनुमानजी महाराज की प्रथम आरती के दिव्य दर्शन होंगे। साथ ही 12:30 बजे से महंत सेवा समिति के द्वारा मानस चंचरीक आचार्य कुशदेव चतुर्वेदी को महंताई की चादर ओढ़ाई जाएगी।

ठाकुर राधागोपाल की रथ यात्रा धूमधाम से निकली

ठाकुर राधागोपाल की रथ यात्रा में शामिल पदाधिकारी।

यूनिक समय, राया। कस्बा राया के रेतिया बाजार राधागोपाल की रथयात्रा गोपालबाग से शुरू कर विभिन्न जगह होते हुए निकाली गयी। जगह जगह पुष्पवर्षा कर रथयात्रा का जोरदार स्वागत किया गया। यात्रा पूजा अर्चना के साथ मांट मार्ग होते हुए मथुरा मार्ग कटरा बाजार रेतिया बाजार होते हुए मंदिर परिसर पर जाकर सम्पन्न हुई। आयोजकों द्वारा आरती उतारकर भोग प्रसाद वितरित किया। इस मौके पर चेयरमैन राजकुमार अग्रवाल, सुधीर अग्रवाल, भूपेश अग्रवाल, हनुमान प्रसाद गर्ग, संदीप गर्ग, सौरभ गर्ग, विनोद कौशिक, प्रभात अग्रवाल, चंद्रमोहन अग्रवाल, पवन गोयल, निखिल अग्रवाल, यदुवीर सिंह आदि मौजूद रहे।

पांच दिवसीय प्रवेश एवं निपुण जांच शिविर का हुआ समापन

पांच दिवसीय प्रवेश एवं निपुण जांच शिविर के समापन अवसर पर रेंजर अपने प्रशिक्षक व शिक्षिकाओं के साथ।

यूनिक समय, मथुरा। किशोरी रमण महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय में आयोजित पांच दिवसीय प्रवेश एवं निपुण जांच शिविर का समापन समारोह महाविद्यालय परिसर में संपन्न हुआ। शिविर का शुभारंभ महाविद्यालय की प्राचार्या प्रोफेसर पल्लवी सिंह द्वारा किया गया था।

शिविर के दौरान रेंजर्स को स्काउट-गाइड की कार्यशैली एवं विभिन्न गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दी गई। जिला संगठन आयुक्त स्काउट एवं गाइड, आगरा बॉबी तथा एच.डब्ल्यू.बी. रेंजर लीडर डॉ.निधि शर्मा ने रेंजर्स को नियम, प्रतिज्ञा, खोज के चिन्ह, इतिहास, गांठें एवं बंधन, ध्वज शिष्टाचार तथा तंबू निर्माण के बारे में जानकारी दी। डॉ. रूमी जायसवाल ने प्राथमिक उपचार एवं झंडा गीत की जानकारी दी। कार्यक्रम में प्रोफेसर रागिनी अग्रवाल आदि मौजूद रही।

सावधान अवैध सॉफ्टवेयर से बुकिंग का खेल उजागर

तत्काल टिकट दलाल नेटवर्क पर उठे सवाल

यूनिक समय, मथुरा। देशभर में तत्काल रेल टिकट बुकिंग को लेकर चल रहे बड़े सॉफ्टवेयर आधारित रैकेट का असर अब मथुरा जैसे धार्मिक और पर्यटन शहरों तक महसूस किया जा रहा है। रेलवे की ऑनलाइन टिकटिंग व्यवस्था आईआरसीटीसी के माध्यम से जहां आम यात्री को टिकट पाने में संघर्ष करना पड़ता है, वहीं अवैध सॉफ्टवेयर का उपयोग करने वाले एजेंट कुछ ही सेकंड में बड़ी संख्या में टिकट बुक कर लेते हैं।

सूत्रों के अनुसार, इस नेटवर्क में शामिल एजेंट 25 से 30 सेकंड के भीतर तत्काल टिकट बुक कर लेते हैं और बाद में इन्हीं टिकटों को 300 से 500 रुपये या त्योहारों के समय इससे कई गुना अधिक कमीशन पर बेचते हैं। मथुरा जैसे शहरों में, जहां सालभर श्रद्धालुओं और पर्यटकों की भारी भीड़ रहती है, वहां इन अवैध टिकटों की मांग और अधिक बढ़ जाती है। जांच

एजेंसियों के अनुसार, यह पूरा नेटवर्क 'सॉफ्टवेयर माफिया' के रूप में काम करता है, जिसमें ऑपरेटर, एजेंट और म्यूल बैंक अकाउंट्स का इस्तेमाल किया जाता है। ये लोग हर कुछ महीनों में अपने सॉफ्टवेयर, वेबसाइट, बैंक खाते और मोबाइल नंबर बदल लेते हैं ताकि ट्रैकिंग से बचा जा सके। बताया जाता है कि 'टेस्ला', 'स्टारलिंक', 'स्पेसएक्स' जैसे नामों से अवैध सॉफ्टवेयर चलाकर देशभर में एजेंटों को जोड़कर काम किया जाता है। रेलवे सुरक्षा बल और सेंट्रल रेलवे इंफॉर्मेशन सिस्टम की टीमें इस तरह की गतिविधियों पर लगातार निगरानी रखती हैं, लेकिन तकनीकी रूप से उन्नत इन अवैध सिस्टम्स को पूरी तरह रोकना चुनौती बना हुआ है। मथुरा रेलवे स्टेशन और वृंदावन आने वाले श्रद्धालुओं के लिए त्योहारों के समय टिकट मिलना और कठिन हो जाता है, क्योंकि तत्काल कोटा मिनटों में फुल हो जाता है। ऐसे में कई यात्री मजबूरी में दलालों से महंगे दामों पर

त्योहारों में बढ़ी तत्काल टिकट दलाली की समस्या

रेलवे सिस्टम को चुनौती दे रहा सॉफ्टवेयर रैकेट

टिकट लेने को मजबूर हो जाते हैं।

रेलवे अधिकारियों का कहना है कि कैप्चा सिस्टम, ओटीपी वेरिफिकेशन और सर्वर मॉनिटरिंग को लगातार मजबूत किया जा रहा है, लेकिन साइबर अपराधी नए तरीके अपनाकर सिस्टम को बाइपास करने की कोशिश करते हैं। फिलहाल जांच एजेंसियां इस पूरे नेटवर्क की कड़ियों को जोड़ने में जुटी हैं, जबकि मथुरा सहित कई शहरों में यात्रियों से अपील की गई है कि वे केवल अधिकृत माध्यम से ही टिकट बुक करें और किसी भी अवैध एजेंट के झांसे में न आएं।

धोलीप्याऊ क्षेत्र में निकली भव्य रामनवमी शोभायात्रा

शोभायात्रा में शामिल पदाधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। नवदुर्गा महोत्सव समिति द्वारा आयोजित 40 वें रामनवमी काली मेला उत्सव के अवसर पर धोली प्याऊ क्षेत्र में भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में मां दुर्गा, काली मां के अखाड़े, भगवान श्रीराम सहित विभिन्न देवी-देवताओं की आकर्षक झांकियां शामिल रहीं। झांकियों ने पूरे मार्ग में श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। शोभायात्रा के दौरान मार्ग में जगह-जगह श्रद्धालुओं ने पुष्प वर्षा कर भव्य स्वागत किया। धार्मिक उत्साह और भक्तिभाव से सराबोर यह यात्रा क्षेत्र में आकर्षण का केंद्र बनी रही। शोभायात्रा धोली प्याऊ

रामनवमी काली मेला उत्सव का हुआ समापन

क्षेत्र के अंत में स्थित मां पथवारी देवी मंदिर पहुंची, जहां मंदिर सेवायतों द्वारा विधि-विधान से मां की आरती उतारी गई। इससे पूर्व महोत्सव के तहत देवी जागरण का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समिति के संरक्षक, संयोजक मुरारी लाल अग्रवाल, अध्यक्ष कृष्ण गोपाल सक्सेना, दिनेश चंद्र, शुभम अग्रवाल, गोपाल अग्रवाल, प्रदीप गुप्ता, मोनू यादव सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

जीएलए में फार्माकोविजिलेंस कार्यशाला में विशेषज्ञों ने दी नई सोच

जीएलए विश्वविद्यालय के फार्मेसी विभाग में आयोजित कार्यशाला के दौरान छात्र-छात्राएं व विभाग के पदाधिकारीगण।

यूनिक समय, मथुरा। जीएलए विश्वविद्यालय के फार्मेसी विभाग में 'द राइज ऑफ फार्माकोविजिलेंस न्यू विंड ऑफ होराइजन इन पेशेंट सेफ्टी' विषय पर दो दिवसीय व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें बीफार्म, एमफार्म और फार्मडी के विद्यार्थियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। कार्यशाला मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग आईएसएफ कॉलेज ऑफ फार्मेसी, पंजाब और आईपीजीए मथुरा लोकल चौप्टर के सहयोग से आयोजित हुई। कार्यक्रम की शुरुआत फार्मेसी विभाग के निदेशक डॉ. कमल शाह के स्वागत संबोधन से हुई, जिसमें उन्होंने औषधि शिक्षा में व्यावहारिक अनुभव और उद्योग उन्मुख प्रशिक्षण के महत्व पर बल दिया। फार्मेसी विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर तथा आईपीजीए उत्तर प्रदेश राज्य समिति के संयुक्त सचिव डॉ. योगेश मूर्ति ने कार्यक्रम का सफल समन्वय एवं संचालन करते हुए इसकी रूपरेखा प्रस्तुत की और विद्यार्थियों को सक्रिय सहभागिता के लिए प्रेरित किया। आईएसएफ कॉलेज ऑफ फार्मेसी, मोगा, पंजाब के प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष डॉ. सौरभ कोसे ने राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर औषधि सतर्कता प्रणाली की संरचना, प्रतिकूल औषधि प्रतिक्रिया रिपोर्टिंग के महत्व तथा दवा सुरक्षा सुनिश्चित करने में औषधि विशेषज्ञों की महत्वपूर्ण भूमिका को विस्तार से समझाया। उन्होंने व्यावहारिक उदाहरणों के माध्यम से यह भी बताया कि एक छोटी सी प्रतिकूल प्रतिक्रिया रिपोर्ट भी जनस्वास्थ्य पर व्यापक प्रभाव डाल सकती है। इसके पश्चात आईएसएफ कॉलेज के ही असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. मोहम्मद हनीफ ने विजीफ्लो सॉफ्टवेयर का विस्तृत प्रदर्शन किया, जिसमें प्रतिकूल औषधि प्रतिक्रिया रिपोर्टिंग की प्रक्रिया, आँकड़ा प्रविष्टि, प्रकरण सत्यापन तथा वैश्विक आँकड़ा भंडार से इसके संबंध को चरणबद्ध तरीके से समझाया गया। उन्होंने प्रकरण अध्ययन आधारित शिक्षण के माध्यम से विद्यार्थियों को गहन व्यावहारिक अनुभव प्रदान किया। केडी मेडीकल कॉलेज के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. हरिओम सोनी ने प्रतिकूल औषधि प्रतिक्रिया में कारणता मूल्यांकन पर व्याख्यान दिया, जिसमें उन्होंने विभिन्न वैज्ञानिक विधियों और मानकों के माध्यम से औषधि और प्रतिकूल प्रभाव के बीच संबंध स्थापित करने की प्रक्रिया को स्पष्ट किया। जीएलए फार्मेसी विभाग की असिस्टेंट

फार्मेसी विभाग में दो दिवसीय कार्यशाला में विशेषज्ञों के मार्गदर्शन से विद्यार्थियों को मिला व्यावहारिक प्रशिक्षण

प्रोफेसर डॉ. रुकैया फातिमा बेगम ने औषधि सतर्कता के व्यापक दायरे और इस क्षेत्र में उपलब्ध करियर अवसरों पर प्रकाश डाला। दूसरे दिन मुख्य अतिथि ट्रेजरर, आईपीजीए राजस्थान स्टेट ब्रांच एवं प्रोफेसर एवं डीन, अलवर फार्मेसी कॉलेज, अलवर डॉ. जी जेयाबालन ने औषधि सतर्कता में औषधि विशेषज्ञ की भूमिका और उसके तर्क पर विस्तृत एवं प्रभावशाली प्रस्तुति दी। उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा कि दवा सुरक्षा केवल एक नियामक प्रक्रिया नहीं, बल्कि यह एक गहन मानवीय संवेदनशीलता और नैतिक उत्तरदायित्व से जुड़ा हुआ विषय है। उन्होंने जोर देते हुए बताया कि प्रत्येक औषधि विशेषज्ञ का कर्तव्य है कि वह रोगियों की सुरक्षा को सर्वोपरि रखते हुए हर छोटी-बड़ी प्रतिकूल प्रतिक्रिया को गंभीरता से ले और उसकी सूचना प्रणाली में सम्मिलित करे, जिससे भविष्य में होने वाले संभावित जोखिमों को समय रहते रोका जा सके। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि यह क्षेत्र केवल रोजगार का माध्यम नहीं, बल्कि समाज के प्रति सेवा और जिम्मेदारी निभाने का एक सशक्त अवसर है। कार्यशाला के अंत में इंटरनेशनल रिलेशन एंड एकेडमिक कोलॉबोरेशन विभाग के डीन प्रो. दिलीप शर्मा ने सभी अतिथियों को सम्मानित किया। जीएलए फार्मेसी विभाग के निदेशक डॉ. कमल शाह ने बताया कि कार्यशाला ने विद्यार्थियों को औषधि सतर्कता की व्यापक और गहन समझ प्रदान की तथा उन्हें भविष्य में पेशेवर चुनौतियों और साक्षात्कार की तैयारी के लिए सक्षम बनाया। कार्यक्रम का समापन प्रमाण पत्र वितरण के साथ सफलतापूर्वक हुआ।

बाजना में 'अतिक्रमण' का बोलबाला

कब्जे से 80 फीट की सड़क हुई 20 फीट

प्रशासन की चुप्पी से जनता बेहाल

यूनिक समय, बाजना। क्षेत्र की प्रमुख सड़कों पर बढ़ता अवैध अतिक्रमण अब जनता के लिए जी का जंजाल बन चुका है। हैरानी की बात यह है कि पूर्व में भी कई बार प्रमुखता से खबरें प्रकाशित की गईं और प्रशासन को अवगत कराया गया, लेकिन जिम्मेदारों के कानों पर जूं तक नहीं रेंगी। प्रशासन की इसी चुप्पी के चलते अतिक्रमणकारियों के हौसले बुलंद हैं। सरकारी दस्तावेजों में जो सड़कें 80 फीट चौड़ी दर्ज हैं, वे धरातल पर अवैध कब्जों के कारण महज 20 फीट की संकरी गलियों में सिमट चुकी हैं। दुकानदारों के टीन-शेड और सड़कों पर रखे सामान ने 50 गांवों के इस मुख्य व्यापारिक केंद्र को जाम का अड्डा बना दिया है।

पैदल चलने वालों, बुजुर्गों और स्कूली बच्चों को जान जोखिम में डालकर निकलना पड़ता है। क्षेत्रीय जनता ने एक बार फिर प्रशासन से गुहार लगाई है कि सड़कों की पैमाइश कराकर तत्काल अवैध स्थाई और अस्थाई अतिक्रमण हटाया जाए, अन्यथा किसी बड़े हादसे की जिम्मेदारी पूरी तरह प्रशासन की होगी। पुरानी खबरों पर संज्ञान क्यों नहीं? पूर्व में भी अतिक्रमण की समस्या को प्रमुखता से प्रकाशित किया गया, फिर भी नगर पंचायत और तहसील प्रशासन ने अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की।

फरसा वाले बाबा को ब्रज मंडल क्षत्रिय राजपूत महासभा ने दी श्रद्धांजलि

यूनिक समय, बरसाना। ब्रज मंडल क्षत्रिय राजपूत महासभा के प्रदेश अध्यक्ष ठाकुर मुकेश सिंह सिकरवार ने अपने साथियों के साथ बरसाना के निकटवर्ती गांव आजनौख पहुंचकर गौशाला में स्थित फरसा वाले बाबा की समाधि स्थल पर श्रद्धा अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। गौशाला में गायों को गुड़ खिलाया और उन्हें फूल-मालाएं पहनाईं। बाबा के निधन के बाद गौशाला की स्थिति को देखकर वे भावुक नजर आए। उन्होंने कहा कि फरसा वाले बाबा के सपनों और आदर्शों को पूरा करना हम सभी का कर्तव्य है। इस अवसर पर भोला ठाकुर, अजय सिंह यदुवंशी, चंद्रपाल सिंह, मुरारी, राजेश गोपाल, नेत्रपाल ठाकुर सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

बरसाना में मॉक ड्रिल

हवा में फंसे लोगों का सफल रेस्क्यू

बरसाना में मॉक ड्रिल करते आपदा प्रबंधक के कर्मचारी।

यूनिक समय, बरसाना। बद्री बाबा गौशाला, राधा बाग में जिला प्रशासन व जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा राष्ट्रीय आपदा मोचक बल (एनडीआरएफ) और राज्य आपदा मोचक बल (एसडीआरएफ) के साथ वृहद संयुक्त मॉक ड्रिल आयोजित की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता अपर जिलाधिकारी डॉ. पंकज कुमार वर्मा ने की, जबकि जिला आपदा विशेषज्ञ पूजा राणा के कुशल समन्वय से ड्रिल सफल रही। नायब तहसीलदार सी.पी. सिंह का भी सक्रिय सहयोग रहा। एनडीआरएफ कमांडेंट अनिल कुमार और एसडीआरएफ के कार्तिकेय मिश्रा के नेतृत्व में बचाव दलों ने 'केबल कार इमरजेंसी' जैसी चुनौतीपूर्ण स्थिति में फंसे लोगों को सुरक्षित निकालने का प्रदर्शन किया। अग्निशमन विभाग के आलोक कुमार, नागरिक सुरक्षा के मास्टर ट्रेनर अशोक यादव व उनकी टीम ने भी अहम भूमिका निभाई। ड्रिल में उपजिलाधिकारी गोवर्धन, एडीसी नीरज श्रीवास्तव, एसएचओ बरसाना, सेक्टर वार्डन राम सैनी, गुलशेर सहित खुशबू चौधरी, लावली, मीनू, काजल, हर्षिता, तानिया, पंकज, जयवीर, कौशिक, ताहिर व शुभम कुमार मौजूद रहे। पुलिस, स्वास्थ्य, अग्निशमन, विद्युत, होमगार्ड व रेड क्रॉस सहित सभी विभागों के समन्वय ने प्रशासनिक मुस्तैदी की मिसाल पेश की। अग्नि सुरक्षा के दृष्टिगत निरीक्षण के दौरान वेयरहाउस के सभी कमरों में लगे अग्निशमन यंत्रों (सिलेंडरों) को बदला गया तथा नए उपकरण स्थापित किए गए। जिलाधिकारी ने निर्वाचन कार्यालय के अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि परिसर में स्थापित सभी अग्निशमन यंत्रों की एक्सपायरी समय-समय पर जांचते रहें, ताकि किसी भी आपात स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटा जा सके। इसके अतिरिक्त, वेयरहाउस की सुरक्षा में तैनात कर्मियों की सुविधाओं पर भी ध्यान दिया गया। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि सुरक्षा कर्मियों को आवश्यक मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। उन्होंने सुरक्षा में लगे कर्मियों को अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी जिम्मेदारी और सतर्कता के साथ करने के निर्देश भी दिए। निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) अमरेश कुमार, डिप्टी कलेक्टर सुशील कुमार सिंह, लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता गुलवीर सिंह, सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी मनोज खंडेलवाल सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

केडी विश्वविद्यालय का बड़ा कदम

ब्रज क्षेत्र के स्पेशल बच्चों के सपनों को पंख लगाएगा

समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर के बाद केडी विश्वविद्यालय और स्पेशल ओलम्पिक्स भारत के पदाधिकारी।

शिक्षा, चिकित्सा और खेलों के उत्थान को स्पेशल ओलम्पिक्स भारत से किया अनुबंध

यूनिक समय, मथुरा। ब्रज क्षेत्र के स्पेशल बच्चों के लिए अब शिक्षा, स्वास्थ्य और खेल के क्षेत्र में नई संभावनाओं के द्वार खुलने जा रहे हैं। केडी विश्वविद्यालय ने स्पेशल ओलम्पिक्स भारत के साथ समझौता कर इन बच्चों के सर्वांगीण विकास की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की है। 25 मार्च को हुए इस अनुबंध के तहत दोनों संस्थाएं मिलकर विशेष जरूरत वाले बच्चों को बेहतर सुविधाएं और अवसर उपलब्ध कराएंगी। समझौता ज्ञापन पर केडी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. मनेष लाहौरी, प्रति-कुलपति डॉ. गौरव सिंह और कुलसचिव डॉ. विकास कुमार अग्रवाल के साथ स्पेशल ओलम्पिक्स भारत की राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. मल्लिका नड्डा सहित अन्य पदाधिकारियों ने हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के प्रति-कुलाधिपति मनोज अग्रवाल ने इसे सेवाभाव की दिशा में बड़ा कदम बताते हुए कहा कि इसका उद्देश्य अधिक से अधिक स्पेशल बच्चों और वयस्कों को लाभ पहुंचाना है। कुलपति डॉ. लाहौरी ने बताया कि यह साझेदारी बौद्धिक रूप से कमजोर बच्चों के मानसिक और शारीरिक विकास को नई दिशा देगी। स्पेशल ओलम्पिक्स भारत देशभर में लाखों पंजीकृत खिलाड़ियों के साथ खेल समावेशिता को बढ़ावा देता है और अब ब्रज क्षेत्र के बच्चों को भी इसका सीधा लाभ मिलेगा। इस पहल के तहत केडी विश्वविद्यालय स्पेशल बच्चों को दंत जांच, फिजियोथेरेपी, श्रवण और नेत्र परीक्षण जैसी स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराएगा। साथ ही खेल गतिविधियों के माध्यम से उनकी फिटनेस, आत्मविश्वास और सामाजिक सहभागिता को बढ़ावा दिया जाएगा।

स्पेशल ओलम्पिक्स भारत की ओर से विश्वविद्यालय को खेल उपकरण उपलब्ध कराए जाएंगे और छात्रों को प्रशिक्षित कोच बनाने के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम भी चलाए जाएंगे। इस साझेदारी से न केवल बच्चों की प्रतिभा को निखारने का अवसर मिलेगा, बल्कि समाज में उनके प्रति जागरूकता भी बढ़ेगी। यह पहल ब्रज क्षेत्र में समावेशी विकास की दिशा में एक प्रेरणादायक उदाहरण बनकर उभर रही है।

लिवर को स्वस्थ रखने वाली फायदेमंद सब्जियां

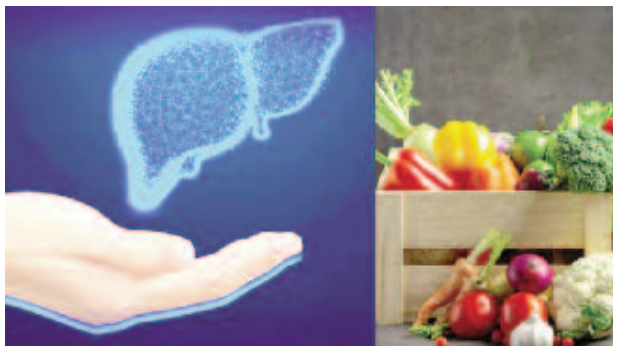

यूनिक समय, नई दिल्ली। लिवर हमारे शरीर का एक बेहद महत्वपूर्ण अंग है, जिसे अक्सर शरीर का "पावरहाउस" भी कहा जाता है। यह शरीर से टॉक्सिन्स बाहर निकालने, पाचन को बेहतर बनाने और मेटाबॉलिज्म को संतुलित रखने का काम करता है। यदि लिवर सही तरीके से काम न करे, तो फैटी लिवर, हेपेटाइटिस और लिवर सिरोसिस जैसी गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। इसलिए लिवर की सेहत बनाए रखने के लिए संतुलित और पौष्टिक आहार लेना बहुत जरूरी है।

विशेषज्ञों के अनुसार, कुछ सब्जियां ऐसी हैं जिन्हें रोजमर्रा की डाइट में शामिल करने से लिवर की कार्यक्षमता को बेहतर बनाया जा सकता है। इनमें सबसे पहले आता है चुकंदर। चुकंदर में बीटालेन और एंटीऑक्सीडेंट्स भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं, जो लिवर की सूजन को कम करने और ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस से बचाने में मदद करते हैं। यह पित्त के प्रवाह को भी सुधारता है, जिससे शरीर के विषैले तत्व आसानी से बाहर निकल जाते हैं। चुकंदर का जूस या सलाद लिवर के लिए बहुत लाभकारी माना जाता है। दूसरी महत्वपूर्ण सब्जियां हैं ब्रोकली और फूलगोभी। इनमें ग्लूकोसाइनोलेट नामक तत्व पाया जाता है, जो लिवर में डिटॉक्स करने वाले एंजाइम्स के उत्पादन को बढ़ाता है। यह लिवर को नुकसान से बचाने के साथ-साथ फैटी लिवर की समस्या को कम करने में भी मदद करता है। इसके अलावा इनमें मौजूद फाइबर पाचन तंत्र को मजबूत बनाता है। तीसरी फायदेमंद सब्जी है करेला। करेला खून को साफ करने, लिवर को मजबूत बनाने और शरीर से विषैले पदार्थ बाहर निकालने में सहायक होता है।

यह लिवर एंजाइम्स के उत्पादन को बढ़ाता है और कब्ज जैसी समस्याओं को भी दूर करता है। साथ ही, यह त्वचा के लिए भी लाभकारी होता है। इन सब्जियों को नियमित रूप से अपने आहार में शामिल करके आप अपने लिवर को लंबे समय तक स्वस्थ और मजबूत बनाए रख सकते हैं।

लिवर की सेहत बनाए रखने के लिए संतुलित और पौष्टिक आहार लेना बहुत जरूरी

हल्दी-जीरे का पानी सेहत और वजन घटाने में फायदेमंद

यूनिक समय, नई दिल्ली। हल्दी और जीरा किचन में मौजूद ऐसे मसाले हैं, जो सेहत के लिए भी बेहद लाभकारी होते हैं। इनसे बना पानी एक नेचुरल हेल्थ ड्रिंक है, जिसे सुबह खाली पेट पीने से कई फायदे मिल सकते हैं। इसे बनाने के लिए एक गिलास पानी में आधा चम्मच जीरा और एक चौथाई चम्मच हल्दी डालकर उबाल लें। हल्का ठंडा होने पर इसे पी लें।

यह ड्रिंक वजन घटाने में मददगार मानी जाती है। हल्दी में मौजूद गुण फैट बर्न करने में सहायक होते हैं, जबकि जीरा मेटाबॉलिज्म को तेज करता है। इसके नियमित सेवन से वेट लॉस जर्नी को सपोर्ट मिल सकता है। साथ ही, यह गट हेल्थ को बेहतर बनाता है और गैस, अपच व कब्ज जैसी समस्याओं से राहत दिलाता है। इम्यूनिटी बढ़ाने और दिल की सेहत सुधारने के लिए भी यह ड्रिंक फायदेमंद माना जाता है।

खरबूजा खाने के फायदे और शरीर पर असर

यूनिक समय, नई दिल्ली। गर्मियों में खरबूजा (मस्कमेलन) सेहत के लिए बेहद फायदेमंद फल माना जाता है। इसमें पानी की मात्रा काफी अधिक होती है, जो शरीर को हाइड्रेट रखने में मदद करती है और लू से बचाव करती है। रोजाना सीमित मात्रा में खरबूजा खाने से शरीर ठंडा रहता है और डिहाइड्रेशन की समस्या कम होती है।

खरबूजा पाचन तंत्र के लिए भी लाभकारी है। इसमें मौजूद फाइबर गट हेल्थ को बेहतर बनाता है और कब्ज की समस्या से राहत दिलाता है। अगर आप पेट साफ रखने और पाचन सुधारने की सोच रहे हैं, तो इसे अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं। इसके अलावा, खरबूजा ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में मदद करता है। इसमें पाए जाने वाले पोषक तत्व दिल की सेहत को मजबूत बनाते हैं और हृदय से जुड़ी बीमारियों का खतरा कम करते हैं। वजन घटाने की कोशिश कर रहे लोगों के लिए भी खरबूजा अच्छा विकल्प है। इसमें कैलोरी कम और फाइबर ज्यादा होता है, जिससे पेट लंबे समय तक भरा महसूस होता है। खरबूजा इम्यूनिटी बढ़ाने में भी सहायक है। हालांकि, इसका सेवन हमेशा संतुलित मात्रा में ही करना चाहिए और किसी भी स्वास्थ्य समस्या में डॉक्टर की सलाह लेना जरूरी है।

पांच मिनट में ठंडी और ग्लोइंग स्किन के आसान उपाय

यूनिक समय, नई दिल्ली। गर्मियों में त्वचा को ठंडा और हेल्दी रखना जरूरी होता है। इसके लिए महंगे प्रोडक्ट्स नहीं, बल्कि आसान घरेलू उपाय काफी कारगर साबित होते हैं। सबसे पहले, दिनभर पर्याप्त मात्रा में सामान्य या हल्का ठंडा पानी पिएं, ताकि त्वचा अंदर से हाइड्रेट रहे। चेहरा दिन में केवल दो बार धोना चाहिए, ताकि स्किन का नेचुरल ऑयल बना रहे। त्वचा को तुरंत ठंडक देने के लिए ठंडी पट्टी या कपड़े का इस्तेमाल करें। रात में एलोवेरा जेल लगाने से स्किन को ठंडक और नमी मिलती है। धूप से बचाव भी बेहद जरूरी है, इसलिए छाता या दुपट्टा जरूर इस्तेमाल करें। घर पर बने फेस पैक भी काफी फायदेमंद होते हैं। खीरा और दही, चंदन और गुलाब जल, एलोवेरा और शहद या तरबूज का गूदा चेहरे पर लगाने से स्किन ठंडी, फ्रेश और ग्लोइंग बनती है। नियमित देखभाल से आप पांच मिनट में भी स्किन को राहत दे सकते हैं।

10 मिनट में बनाएं झटपट पनीर भुर्जी डिनर

यूनिक समय, नई दिल्ली। दिनभर की थकान के बाद जब जल्दी और स्वादिष्ट खाना बनाना हो, तो पनीर भुर्जी एक परफेक्ट विकल्प है। यह रेसिपी न सिर्फ 10 मिनट में तैयार हो जाती है, बल्कि पौष्टिक और पेट भरने वाली भी है। खासकर कामकाजी लोगों और छोटे परिवारों के लिए यह एक आसान और टेस्टी डिनर ऑप्शन है।

आवश्यक सामग्री: 200 ग्राम मसला हुआ पनीर, 1 बारीक कटा प्याज, 1 कटा टमाटर, 1 हरी मिर्च, 1 छोटा चम्मच अदरक-लहसुन पेस्ट, आधा-आधा छोटा चम्मच हल्दी और लाल मिर्च, नमक स्वादानुसार, 1 बड़ा चम्मच तेल या घी, और हरा धनिया।

बनाने की विधि: सबसे पहले कड़ाही में तेल या घी गर्म करें और उसमें जीरा डालकर चटकाएं। अब कटा हुआ प्याज डालें और 2-3 मिनट तक सुनहरा होने दें। इसके बाद अदरक-लहसुन पेस्ट और हरी मिर्च डालकर हल्का भूनें। फिर टमाटर और मसाले डालकर 2-3 मिनट पकाएं, जब तक मसाला अच्छी तरह तैयार न हो जाए। अब इसमें मसला हुआ पनीर डालें और अच्छी तरह मिक्स करें। 2-3 मिनट पकाकर गैस बंद कर दें और ऊपर से हरा धनिया डालें। गरमा-गरम पनीर भुर्जी तैयार है। इसे रोटी, पराठा या ब्रेड के साथ परोसें। चाहें तो इसे सैंडविच की फिलिंग के रूप में भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

वॉशिंग मशीन में कपड़े धोने का सही तरीका

यूनिक समय, नई दिल्ली। वॉशिंग मशीन में कपड़े धोते समय उसकी क्षमता का ध्यान रखना बेहद जरूरी है। अगर मशीन को जरूरत से ज्यादा भर दिया जाए, तो कपड़े सही से साफ नहीं होते और मशीन पर भी बुरा असर पड़ता है।

6-7 किलो क्षमता वाली मशीन में एक बार में लगभग 20 कपड़े ही डालने चाहिए। इसमें शर्ट, पैंट, तौलिया और एक बेडशीट आसानी से धुल सकते हैं। वहीं 7-8 किलो की मशीन में करीब 30-35 कपड़े धोए जा सकते हैं, लेकिन थोड़ा खाली स्थान जरूर छोड़ना चाहिए ताकि सफाई अच्छी हो। 8-9 किलो की मशीन में लगभग 40 कपड़े धोए जा सकते हैं, जबकि 10 किलो की मशीन में 50 तक कपड़े और कंबल जैसी बड़ी चीजें भी आसानी से धुल जाती हैं। हमेशा ध्यान रखें कि मशीन को ओवरलोड न करें और कपड़ों को संतुलित मात्रा में डालें, इससे कपड़े भी अच्छी तरह साफ होंगे और मशीन भी लंबे समय तक सही चलेगी।

पान का शरबत: ठंडक और पाचन के लिए खास ड्रिंक

यूनिक समय, नई दिल्ली। गर्मियों में शरीर को ठंडा और हाइड्रेटेड रखना बेहद जरूरी होता है। ऐसे में पान का शरबत एक स्वादिष्ट और हेल्दी ड्रिंक साबित हो सकता है। यह न सिर्फ शरीर को ठंडक देता है, बल्कि पाचन को भी बेहतर बनाने में मदद करता है। पान के पत्तों में ऐसे तत्व पाए जाते हैं जो पाचक एंजाइम्स के उत्पादन को बढ़ाते हैं और पेट को हल्का महसूस कराते हैं।

पान का शरबत बनाने के लिए सबसे पहले 6-7 पान के पत्तों को धोकर बारीक काट लें। फिर इन्हें सौंफ, नारियल बुरादा और बर्फ के टुकड़ों के साथ मिक्सर में पीस लें। इसके बाद इसमें गुलाब की पंखुड़ियां, गुलकंद और चीनी मिलाकर दोबारा ब्लेंड करें। तैयार पेस्ट को एक बाउल में निकाल लें। सर्व करते समय एक गिलास में यह पान पेस्ट, थोड़ा दूध और ताजी क्रीम डालकर अच्छी तरह फेंट लें। ऊपर से पिस्ता, केसर और सूखी गुलाब की पंखुड़ियों से सजाएं। यह ड्रिंक न सिर्फ स्वाद में लाजवाब होती है, बल्कि गर्मी में राहत देने, शरीर को ठंडा रखने और पाचन सुधारने के लिए भी बेहद फायदेमंद मानी जाती है।

गर्मियों में लगाने के लिए बेस्ट पौधे

यूनिक समय, नई दिल्ली। मार्च-अप्रैल का मौसम गार्डनिंग के लिए सबसे अच्छा माना जाता है। इस समय धूप और तापमान पौधों की ग्रोथ के लिए अनुकूल होते हैं। अगर आप घर पर हरियाली और पॉजिटिव एनर्जी बढ़ाना चाहते हैं, तो कुछ आसान पौधे लगा सकते हैं।

इस मौसम में तुलसी, मनी प्लांट और एलोवेरा जैसे पौधे आसानी से उगते हैं और हवा को शुद्ध बनाते हैं। वहीं टमाटर, हरी मिर्च, धनिया और पुदीना किचन गार्डनिंग के लिए बेहतरीन विकल्प हैं। साथ ही, गेंदा जैसे फूल वाले पौधे आपके गार्डन को सुंदर बनाते हैं और कीड़ों को दूर रखते हैं। सही देखभाल और नियमित पानी देने से ये पौधे तेजी से बढ़ते हैं और घर को ताजगी से भर देते हैं।

श्रीलंका ट्रिप : यात्रा को शानदार बनाने के आसान टिप्स

यूनिक समय, नई दिल्ली। अगर आप विदेश यात्रा का प्लान बना रहे हैं और किसी शांत, खूबसूरत और प्राकृतिक जगह की तलाश में हैं तो श्रीलंका आपके लिए बेहतरीन विकल्प हो सकता है। यहां के खूबसूरत बीच, हरे-भरे पहाड़, चाय के बागान और ऐतिहासिक मंदिर आपकी ट्रिप को यादगार बना देते हैं। सही प्लानिंग के साथ यह यात्रा और भी शानदार बन सकती है।

सबसे पहले, श्रीलंका की प्राकृतिक सुंदरता का भरपूर आनंद लें। यहां के पहाड़, झरने और हरियाली सुकून देने वाले होते हैं। आप खासतौर पर नुवारा एलियां और एला जैसी जगहों पर जाकर

नेचर के करीब समय बिता सकते हैं। इसके अलावा, यहां के समुद्री तट भी बेहद आकर्षक हैं। मिरिसा बीच और उनावटुना बीच जैसे बीच पर सनसेट का मजा लेना और वॉटर एक्टिविटीज करना एक शानदार अनुभव हो सकता है।

श्रीलंका की यात्रा लोकल फूड के बिना अधूरी मानी जाती है। यहां का खाना भारतीय स्वाद से मिलता-जुलता जरूर है, लेकिन इसमें अलग तरह के मसाले और फ्लेवर होते हैं। आपको यहां के पारंपरिक व्यंजन जरूर ट्राई करने चाहिए, जिससे आपकी यात्रा का अनुभव और बेहतर हो जाएगा।

अगर आप संस्कृति और इतिहास में रुचि रखते हैं, तो धार्मिक स्थलों की यात्रा जरूर करें। दांत का मंदिर और सिगिरिया रॉक फोर्ट्रेस जैसे स्थान आपको श्रीलंका की समृद्ध विरासत से रूबरू कराएंगे। अंत में, ट्रिप के दौरान शॉपिंग करना न भूलें। यहां के लोकल मार्केट में आपको हस्तशिल्प, मसाले और स्मृति चिन्ह मिल जाएंगे, जिन्हें आप अपने बजट के अनुसार खरीद सकते हैं। इन आसान टिप्स को अपनाकर आप अपनी श्रीलंका ट्रिप को न सिर्फ आसान बल्कि यादगार भी बना सकते हैं।

त्वचा के लिए केले के छिलके के फायदे

यूनिक समय, नई दिल्ली। अक्सर हम केले का छिलका बेकार समझकर फेंक देते हैं, लेकिन यह आपकी त्वचा के लिए बेहद फायदेमंद हो सकता है। केले के छिलके में एंटीऑक्सीडेंट, विटामिन सी, विटामिन ए और पोटैशियम जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो स्किन को पोषण देने में मदद करते हैं। इसे इस्तेमाल करने के लिए पके केले के छिलके के अंदरूनी हिस्से को चेहरे पर हल्के हाथों से 10 मिनट तक सर्कुलर मोशन में रगड़ें। इसके बाद 15-20 मिनट छोड़कर चेहरा धो लें।

नियमित उपयोग से पिंपल्स और एक्ने की समस्या कम हो सकती है। इसके अलावा, यह काले धब्बों को हल्का करने और झुर्रियों को कम करने में भी सहायक माना जाता है। जिन लोगों की त्वचा रूखी होती है, उनके लिए केले का छिलका एक प्राकृतिक मॉइस्चराइजर की तरह काम करता है और त्वचा को मुलायम बनाता है। इतना ही नहीं, यह चेहरे की डलनेस को दूर कर नेचुरल ग्लो लाने में भी मदद करता है। हालांकि, इसे इस्तेमाल करने से पहले पैच टेस्ट जरूर करें, ताकि किसी प्रकार की एलर्जी से बचा जा सके। नियमित और सही तरीके से उपयोग करने पर केले का छिलका आपकी स्किन केयर रूटीन में एक बेहतरीन प्राकृतिक उपाय बन सकता है।

सुविचार

समय सबसे बड़ा शिक्षक है, बस धैर्य रखें।

कल का पंचांग

तिथि	एकादशी 08:46-07:46 तक	पक्ष	शुक्ल पक्ष
नक्षत्र	आश्लेषा 2:50- 02:37 तक	माह	चैत्र
सूर्योदय	6:26 AM	चन्द्रोदय	03:24 PM
सूर्यास्त	6:37 PM	चंद्रास्त	04:33 AM
सूर्य राशि	मीन राशि	चंद्र	सिंह राशि
शुभ मुहूर्त	12:12PM -12:59 PM	ब्रहम् मुहूर्त	05:01-06:05
त्योहार/व्रत		विक्रम संवत्	2083
राहुकाल	05:05 PM:06:37 PM	वार	रविवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

गिनती बनी राजकुमारी का अनोखा स्वयंवर

बीस गिनती में समाया संसार राजा का हलवाई बना दूल्हा

यूनिक समय, मथुरा। एक अनोखे राज्य में राजकुमारी के स्वयंवर ने सबको चौंका दिया। जहां आमतौर पर शूरवीरता, धन–दौलत या वंश परंपरा के आधार पर वर चुना जाता है, वहीं यहां शर्त कुछ अलग ही थी– जो 20 तक ऐसी गिनती सुनाए जिसमें पूरा संसार समा जाए, वही राजकुमारी का पति बनेगा। शर्त जितनी अनोखी थी, उतनी ही कठिन भी।

राजा ने भव्य दावत का आयोजन किया। दूर–दूर से राजा–महाराजा पहुंचे, पकवानों का आनंद लिया और फिर शुरू हुआ गिनती का मुकाबला। एक–एक कर सभी राजाओं ने अपनी गिनती सुनाई–किसी ने सामान्य संख्या बताई, तो किसी ने विद्वता दिखाने की कोशिश की। लेकिन राजकुमारी हर बार असंतुष्ट रही। नतीजा–जो असफल हुआ, उसे 20 कोड़े मिले और शर्मिंदगी अलग। कुछ राजाओं ने तो इसे अपमान मानकर भाग लेना ही छोड़ दिया। दरबार में माहौल भारी हो चुका था। तभी एक कोने में बैठा हलवाई मुस्कुराता नजर आया। उसने तंज कसते हुए कहा–"इतने बड़े–बड़े राजा और 20 तक गिनती भी नहीं आती!" यह सुनकर दरबार में हलचल मच गई। राजा ने उसे मौका दिया, लेकिन शर्त रखी–अगर गिनती सही नहीं हुई, तो मृत्युदंड मिलेगा। हलवाई ने भी हिम्मत दिखाते हुए कहा–अगर मैं सफल हुआ, तो राजकुमारी से विवाह करूंगा। राजकुमारी ने यह प्रस्ताव स्वीकार कर लिया। अब सबकी नजरें हलवाई पर थीं। उसने गिनती शुरू की–"एक भगवान, दो पक्ष, तीन लोक, चार युग, पांच पांडव, छह शास्त्र, सात दिन, आठ दिशाएं, नौ ग्रह, दस दिशा का साम्राज्य आप प्रकट हो, ग्यारह रुद्र, बारह महीने, तेरह रत्न, चौदह विद्या, पंद्रह तिथि, सोलह संस्कार, सत्रह वनस्पति, अठारह पुराण, उन्नीस तुम और बीसवां मैं।"जैसे ही गिनती पूरी हुई, दरबार में सन्नाटा छा गया। यह गिनती केवल संख्या नहीं, बल्कि ज्ञान, संस्कृति और जीवन का सार थी। राजकुमारी उसकी बुद्धिमत्ता से प्रभावित हुई और उससे विवाह कर लिया। इस घटना ने साबित कर दिया कि केवल शिक्षा

MANNAT GROUP
Building Your Vision, Creating Reality

मंदिर खुलने व बंद होने का समय

- श्रीबांके बिहारीजी मंदिर में सुबह 8 .00 से दोपहर 01 .30 बजे तक और शाम 4 .00 से रात 9 .00 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि में श्री गर्भगृह के दर्शन सुबह 6 .30 बजे से रात 9 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि के भागवत भवन व अन्य मंदिर में सुबह 6 .30 बजे से दोपहर 12 बजे तक और शाम 4 बजे से रात 9 बजे तक।
- द्वारकाधीश मंदिर में सुबह 6 .30 बजे से 11 बजे तक और शाम 4 बजे से 7 .30 बजे तक।

व्रत–त्योहार का कैलेंडर 2026

- 29 मार्च, दिन रविवार: कामदा एकादशी
- 30 मार्च, दिन सोमवार: सोम प्रदोष व्रत
- 1 अप्रैल, दिन बुधवार: चैत्र पूर्णिमा
- 5 अप्रैल, दिन रविवार: विकट संकष्टी
- 13 अप्रैल, दिन सोमवार: वरूथिनी एकादशी
- 14 अप्रैल, दिन मंगलवार: बैसाखी
- 15 अप्रैल, दिन बुधवार: बुध प्रदोष व्रत, वैशाख मासिक शिवरात्रि
- 17 अप्रैल, दिन शुक्रवार: दर्श अमावस्या, वैशाख अमावस्या
- 19 अप्रैल, दिन रविवार: अक्षय तृतीया
- 20 अप्रैल, दिन सोमवार: संकर्षण चतुर्थी
- 27 अप्रैल, दिन सोमवार: मोहिनी एकादशी
- 28 अप्रैल, दिन मंगलवार: भौम प्रदोष व्रत

कल का राशिफल

मेष: कल आपका दिन शुभ रहेगा। सोचे हुए काम पूरे होंगे और परिवार का सहयोग मिलेगा। यात्रा के योग बन रहे हैं।

वृषभ: घर में खुशी का माहौल रहेगा। रिश्तेदारों का आगमन संभव है। व्यवसाय में लाभ के संकेत हैं।

मिथुन: दिन सामान्य रहेगा। काम में सुधार होगा और नए अवसर मिल सकते हैं। सोच–समझकर निर्णय लें।

कर्क: थोड़ा व्यस्त दिन रहेगा। काम में रुकावट आ सकती है, लेकिन धैर्य से काम लेने पर सफलता मिलेगी।

सिंह: आत्मविश्वास बनाए रखें। मेहनत से काम पूरे होंगे। किसी पुराने मामले का समाधान मिल सकता है।

कन्या: कल का दिन बेहद अच्छा है। नए निवेश और पुराने मित्रों से मुलाकात लाभकारी रहेगी।

तुला: मिला-जुला दिन रहेगा। कार्यों में थोड़ी धीमी गति रहेगी, लेकिन सकारात्मक सोच से आगे बढ़ेंगे।

वृश्चिक: ऊर्जा और उत्साह बना रहेगा। पुराने काम पूरे होंगे और परिवार से खुशखबरी मिल सकती है।

धनु: भाग्य का साथ मिलेगा। नई योजनाएं सफल होंगी और आर्थिक लाभ के योग बनेंगे।

मकर: सामान्य दिन रहेगा। पारिवारिक जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं। अनावश्यक विवाद से बचें।

कुंभ: आय में वृद्धि के संकेत हैं। नए अवसर मिलेंगे और मन प्रसन्न रहेगा।

मीन: दिन शुभ है। रुके हुए काम पूरे होंगे और करियर में प्रगति के अवसर मिलेंगे।

लाला ने राम बनकर रावण से युद्ध करने की ठानी

यूनिक समय, मथुरा। एक दिन की बात है, यशोदा मैया अपने लाला कृष्ण कूं गोदी में सुलावत बैठी थीं। रैनि को समय, चहुँ ओर शांति छाई रही। लाला तोतलात बोल्या–"मैया, मोय नींद ना आवै, तू मोय कछु कथा सुनाय दे।"

तब मैया मुस्कराय के राम जी की कथा सुनावन लगीं–"लाला, एक राजकुमार रहे, नाम रहे राम। उनकै संग उनकै धर्मपत्नी सीता रहीं। पिताजी की आज्ञा मानिके दोनों बन मां रहन गयौ।"

लाला "हूं–हूं" करिके बड़े ध्यान सूं कथा सुनत रहो। जब मैया पचवटा की बात कहिन, तब लाला और चुप होइ गयौ। फेर मैया बोलीं–"एक दिन एक दुष्ट राक्षस आयौ, नाम रहौ रावण। वह सीता मैया कूं हर ले गयौ।"

इतनो सुनत ही लाला एकदम चौंक उठौ। अबकी बार "हूं" ना करौ, बल्कि मैया को पल्लू कसिके पकड़ लियौ।

आंखन मां चमक आ गई। लाला झट सूं उठ बैठौ औ कहन लगौ–"हे लक्ष्मण! मेरो धनुष–बाण लै आओ! आजै इस रावण कूं यहीं मारि डारौं! देखौं कैसे लै जातौ सीता मैया कूं!" यशोदा मैया घबराय गईं। लाला अब नींद भूलिके चारों ओर देखन लागौ, जैसे साचौ युद्ध होन जातौ हो। बोले–"मैया! मेरो धनुष–बाण कहां गयौ? आज इस दुष्ट कूं छोड़ौं ना!" मैया झट लाला कूं सीने सूं लगाय लियौ, समझावन लगीं–"लाला, सब ठीक है, तू शान्त हो जा।" पर लाला तो रौद्र रूप धरि चुके रहौ।

गोदी सूं उतरि भागन लागौ–"आज रावण कूं देख लऊँ!"मैया ने मुश्किल सूं पकड़िके फेर गोदी में बिठायौ। तब जाके लाला थोड़े शांत भयौ। यह लीलां देखिके मैया भी भाव–विभोर हो गइं–जाको लाला, वही राम, वही कान्हा!

ऑफिस में बॉस बनने के लिए सीखें चाणक्य की गुप्त नीतियां

यूनिक समय, मथुरा। कॉर्पोरेट दुनिया में प्रमोशन अब सिर्फ मेहनत का खेल नहीं रहा, बल्कि "नीति और रणनीति" का अखाड़ा बन चुका है। ऐसे में प्राचीन भारत के महान रणनीतिकार चाणक्य अचानक फिर से ट्रेंड में आ गए हैं–बस फर्क इतना है कि अब उनका "राजदरबार" बदलकर "कॉर्पोरेट ऑफिस" हो गया है।

आज का कर्मचारी सुबह लॉगिन करते ही एक्सेल शीट से ज्यादा "ऑफिस पॉलिटिक्स" का सामना करता है। ऐसे में चाणक्य की नीतियां किसी एचआर मैनुअल से कम नहीं लगतीं।

उनका पहला मंत्र—"काम शुरू करने से पहले खुद से सवाल पूछो"–अब ऑफिस में इस तरह लागू हो चुका है कि कर्मचारी पहले सोचता है, "ये काम करूं या मैनेजर को ही समझा दूं कि यह जरूरी नहीं है!"**चाणक्य का दूसरा ज्ञान**

थोड़ा "रिस्की" है—बहुत ज्यादा ईमानदार मत बनो। कॉर्पोरेट भाषा में इसका मतलब है कि हर मीटिंग में सच्चाई बोलना करियर के लिए उतना ही खतरनाक हो सकता है, जितना बिना बैकअप के प्रेजेंटेशन देना। यहां वही टिकता है, जो सच भी बोले और समय देखकर बोले–वरना "सीधे पेड़" की तरह पहले वही कट जाता है।

तीसरा सिद्धांत तो और दिलचस्प है—"सांप बनो, चाहे विष हो या न हो।" ऑफिस में इसका मतलब है कि अगर आप असल में शांत और सरल हैं, तो भी कभी–कभी "सख्त और खतरनाक" दिखना जरूरी है। वरना लोग आपको काम का बोझ समझकर लादते रहेंगे और आप 'टीम प्लेयर' के नाम पर ओवरटाइम करते रह जाएंगे।

चौथा मंत्र—दूसरों की गलतियों से सीखो। कॉर्पोरेट में यह ऐसे काम करता है कि जब कोई सहकर्मी गलती करता है, तो बाकी लोग सीखने से ज्यादा "स्क्रीनशॉट सेव" करने में लग जाते हैं, ताकि जरूरत पड़ने पर काम आए। लेकिन असली खिलाड़ी वही है, जो चुपचाप सीखकर खुद को बचा ले।

और आखिर में, चाणक्य का सबसे "पॉजिटिव" ज्ञान–अच्छाई हर दिशा में फैलती है। हालांकि ऑफिस में यह थोड़ा अपडेट हो चुका है–यहां अच्छाई के साथ "नेटवर्किंग" भी जरूरी है। सिर्फ अच्छा होना काफी नहीं, लोगों को यह पता भी होना चाहिए कि आप अच्छे हैं। कुल मिलाकर, आज का कॉर्पोरेट कर्मचारी आधा प्रोफेशनल और आधा रणनीतिकार बन चुका है। केपीआई और टारगेट के बीच अब "चाणक्य नीति" भी एक जरूरी स्किल बन गई है। फर्क बस इतना है कि पहले लोग किताबों से सीखते थे, अब लोग ऑफिस की कॉफी मशीन के पास खड़े होकर। तो अगर आप भी अपने मैनेजर के "बॉस" बनने का सपना देख रहे हैं, तो याद रखिए–डिग्री से ज्यादा जरूरी है रणनीति, और मेहनत से ज्यादा जरूरी है सही समय पर सही चाल चलना बिल्कुल चाणक्य स्टाइल में!

सम्पादकीय

सोना बना भरोसे का नया आर्थिक सहारा

कभी दादी–नानी की तिजोरी में बंद रहने वाला सोना अब अचानक "इकोनॉमिक हीरो" बन गया है। पहले लोग इसे शादियों, त्योहारों और दिखावे का साथी मानते थे, लेकिन अब यह भरोसे का नया ठिकाना बन चुका है। हालात कुछ ऐसे हो गए हैं कि जब सरकार की नीतियां डगमगाती दिखती हैं, तो जनता सीधे सोने की शरण में चली जाती है–मानो कह रही हो, "सरकार अपनी जगह, हमारा भरोसा अपनी जगह।"

दिलचस्प बात यह है कि सोना अब सिर्फ गहनों की चमक तक सीमित नहीं रहा, बल्कि इसे एक "गैर–सरकारी मुद्रा" का दर्जा मिलने लगा है। यानी ऐसा पैसा, जिस पर किसी सरकार का नियंत्रण नहीं, कोई प्रिंटिंग मशीन नहीं, और कोई मनमाना मूल्यवर्धन नहीं। सरकार चाहे जितनी नोट छाप ले, लेकिन सोने की कीमत वही तय करेगा–बाजार, युद्ध और वैश्विक तनाव। आज निवेशक सरकारी बॉन्ड को ऐसे देख रहे हैं जैसे कोई पुरानी फिल्म–जिसकी कहानी पहले ही समझ आ जाती है। वहीं सोना एक थ्रिलर बन चुका है, जिसमें हर दिन नया ट्विस्ट आता है। कभी कीमत आसमान छूती है, तो कभी थोड़ा ठहर कर निवेशकों को और ललचाती है। यह स्थिरता और अस्थिरता का ऐसा अनोखा मिश्रण है, जिसने इसे और आकर्षक बना दिया है।असल खेल भरोसे का है। जब महंगाई बढ़ती है, रुपया कमजोर होता है और अंतरराष्ट्रीय हालात बिगड़ते हैं, तो लोग अपने पैसे को ऐसे ठिकाने पर रखना चाहते हैं, जहां "सरकारी मूड" का असर कम पड़े। सोना इस मामले में एकदम फिट बैठता है। न कोई नीति बदलने का डर, न कोई ब्याज दरों का झंझट–बस चमक ही चमक। अब तो हालात यह हैं कि निवेश के नए–नए रास्ते भी सोने की ओर मुड़ रहे हैं। गोल्ड ईटीएफ और फंड्स में बढ़ता निवेश इस बात का संकेत है कि लोग जोखिम से बचने के लिए सोने को "सेफ जोन" मान रहे हैं। शेयर बाजार की गिरावट में भी सोना मुस्कुरा रहा है, जैसे कह रहा हो–"जब सब डूबे, तब मैं तैरूंगा।" व्यंग्य की बात करें तो लगता है कि आने वाले समय में शादी के कार्ड पर "कैश नहीं, सिर्फ गोल्ड स्वीकार है" लिखना आम हो जाएगा। और अगर यही हाल रहा, तो शायद एक दिन ऐसा भी आए जब लोग एटीएम की जगह "गोल्ड मशीन" ढूंढते नजर आएं। सच यही है कि सोने की यह बढ़ती चमक केवल निवेश की कहानी नहीं, बल्कि भरोसे के बदलते समीकरण की कहानी है। जब सिस्टम पर भरोसा कम होता है, तो लोग प्रकृति और धातु की ओर लौटते हैं। और फिलहाल, सोना उसी भरोसे की सबसे चमकदार मिसाल बन चुका है।

पवन गौतम
संपादक

इस कॉलम को मोबाइल पर सुनने के लिए QR कोड को स्कैन करें।

नजरिया

जलवायु संकट: धरती पर बढ़ता मौन महाविनाश

ललित गर्ग

जलवायु परिवर्तन अब कोई दूर का खतरा नहीं रहा, बल्कि यह हमारे वर्तमान का सबसे बड़ा और सबसे खामोश विनाशकारी संकट बन चुका है। पहले यह विषय वैज्ञानिक सम्मेलनों, शोध पत्रों और अंतरराष्ट्रीय बैठकों तक सीमित था, लेकिन अब यह हमारे रोजमर्रा के जीवन में घुस चुका है–हमारी सांसों में, हमारी फसलों में, हमारे शहरों की सड़कों पर और हमारे शरीर के तापमान में।

आज पृथ्वी जिस दौर से गुजर रही है, वह केवल तापमान के बढ़ने का मामला नहीं है, बल्कि यह पूरे पारिस्थितिकी तंत्र के असंतुलन का संकेत है। जब फरवरी और मार्च जैसे महीनों में भी लू के थपेड़े महसूस होने लगें, जब 45 डिग्री सामान्य और 50 डिग्री असामान्य नहीं बल्कि संभावित हो जाए, तो यह साफ संकेत है कि प्रकृति का संतुलन तेजी से बिगड़ रहा है। यह बदलाव धीरे–धीरे नहीं, बल्कि एक तेज रफ्तार आपदा की तरह हमारे सामने उभर रहा है।

विश्व स्तर पर देखें तो पिछले एक दशक को अब तक का सबसे गर्म दशक माना गया है। ग्रीनहाउस गैसों का स्तर रिकॉर्ड उंचाई पर पहुंच चुका है और पृथ्वी का ऊर्जा संतुलन लगातार बिगड़ रहा है। महासागर, जो सदियों से पृथ्वी के तापमान को संतुलित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते आए हैं, अब अतिरिक्त गर्मी को सोखते–सोखते खुद भी गर्म हो रहे हैं। इसका परिणाम यह है कि समुद्री जीवन प्रभावित हो रहा है, चक्रवात अधिक तीव्र हो रहे हैं और समुद्र स्तर तेजी से बढ़ रहा है।

भारत जैसे देश के लिए यह संकट और भी जटिल और खतरनाक है। यहां की बड़ी आबादी कृषि पर निर्भर है, और कृषि पूरी तरह मौसम पर आधारित है। जब बारिश अनियमित हो जाए, कभी अत्यधिक तो कभी बिल्कुल नहीं, तो इसका सीधा असर किसानों की आजीविका पर पड़ता है। सूखा और बाढ़ दोनों ही अब आम घटनाएं बनती जा रही हैं। इससे खाद्य सुरक्षा पर भी खतरा मंडराने लगा है। इसके अलावा, शहरों में रहने वाले लोगों के लिए भी यह संकट कम नहीं है। बढ़ती गर्मी के कारण बिजली की मांग तेजी से बढ़ रही है, जिससे ऊर्जा संकट गहराता जा रहा है। जल स्रोत सूख रहे हैं, भूजल स्तर गिरता जा रहा है और पीने के पानी की समस्या विकराल होती जा रही है। महानगरों में "हीट आइलैंड इफेक्ट" के कारण तापमान और अधिक बढ़ जाता है, जिससे वहां रहना और भी मुश्किल हो जाता है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी जलवायु परिवर्तन ने गंभीर चुनौतियां पैदा कर दी हैं। हीटवेव के कारण हीट स्ट्रोक, डिहाइड्रेशन और हृदय संबंधी समस्याएं बढ़ रही हैं। इसके अलावा, मच्छरों से फैलने वाली बीमारियां जैसे डेंगू और मलेरिया अब नए क्षेत्रों में फैल रही हैं, क्योंकि बदलता मौसम उनके लिए अनुकूल परिस्थितियां बना रहा है। वायु प्रदूषण और बढ़ती गर्मी मिलकर श्वसन रोगों को भी बढ़ावा दे रहे हैं।

जलवायु परिवर्तन का एक और खतरनाक पहलू है–जैव विविधता पर इसका प्रभाव। जंगलों में आग लगने की घटनाएं बढ़ रही हैं, जिससे हजारों प्रजातियां विलुप्ति के कगार पर पहुंच रही हैं। पेड़–पौधों और वन्यजीवों का जीवन चक्र प्रभावित हो रहा है। कई प्रजातियां अपने प्राकृतिक आवास छोड़ने को मजबूर हो रही हैं। यह केवल प्रकृति का नुकसान नहीं है, बल्कि यह मानव जीवन के लिए भी खतरे की घंटी है, क्योंकि हम भी इसी पारिस्थितिकी तंत्र का हिस्सा हैं। इस संकट के पीछे सबसे बड़ा कारण मानव का विकास मॉडल है। औद्योगीकरण, शहरीकरण और उपभोक्तावाद ने प्राकृतिक संसाधनों का अंधाधुंध दोहन किया है। कोयला, पेट्रोल और डीजल जैसे जीवाश्म ईंधनों पर हमारी निर्भरता ने वातावरण में कार्बन डाइऑक्साइड की मात्रा को खतरनाक स्तर तक पहुंचा दिया है। वनों की कटाई ने इस समस्या को और गंभीर बना दिया है, क्योंकि पेड़ ही कार्बन को अवशोषित करने का सबसे बड़ा माध्यम हैं। वर्तमान वैश्विक परिस्थितियां इस संकट को और भी जटिल बना रही हैं। दुनिया के कई हिस्सों में युद्ध की स्थिति बनी हुई है, और युद्ध केवल मानव जीवन को ही नहीं, बल्कि पर्यावरण को भी भारी नुकसान पहुंचाते हैं। विस्फोट, आग, रासायनिक रिसाव और सैन्य गतिविधियां वातावरण में भारी मात्रा में प्रदूषण फैलाती हैं। इस प्रकार, युद्ध और जलवायु परिवर्तन मिलकर पृथ्वी को दोहरे संकट

में डाल रहे हैं। हालांकि स्थिति गंभीर है, लेकिन निराशाजनक नहीं। इस संकट में समाधान भी छिपा हुआ है। सबसे पहले, हमें अपने विकास मॉडल पर पुनर्विचार करना होगा। हमें यह समझना होगा कि अंधाधुंध विकास हमें विनाश की ओर ले जा रहा है। हमें सतत विकास की ओर बढ़ना होगा, जहां आर्थिक प्रगति और पर्यावरण संरक्षण दोनों साथ–साथ चलें। ऊर्जा के क्षेत्र में नवीकरणीय स्रोतों को बढ़ावा देना अत्यंत आवश्यक है। सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा और जल ऊर्जा जैसे विकल्प न केवल स्वच्छ हैं, बल्कि दीर्घकालिक रूप से टिकाऊ भी हैं। इसके अलावा, ऊर्जा दक्षता बढ़ाने और अनावश्यक खपत को कम करने पर भी ध्यान देना होगा।

जल प्रबंधन को भी प्राथमिकता देनी होगी। वर्षा जल संचयन, जल पुनर्चक्रण और जल संरक्षण को जन आंदोलन बनाना होगा। शहरों में हरित क्षेत्र बढ़ाने होंगे, पेड़ लगाने होंगे और कंक्रीट के जंगलों को नियंत्रित करना होगा। इससे न केवल तापमान कम होगा, बल्कि वायु गुणवत्ता भी सुधरेगी। कृषि क्षेत्र में भी बदलाव की आवश्यकता है। कम पानी वाली फसलों को बढ़ावा देना, प्राकृतिक खेती अपनाना और जलवायु अनुकूल कृषि पद्धतियों को लागू करना जरूरी है। इससे न केवल पर्यावरण की रक्षा होगी, बल्कि किसानों की आय भी स्थिर रहेगी।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इस लड़ाई को केवल सरकारों पर नहीं छोड़ा जा सकता। इसमें समाज के हर वर्ग को भागीदारी निभानी होगी। आम नागरिक अपने दैनिक जीवन में छोटे–छोटे बदलाव करके भी बड़ा योगदान दे सकते हैं–जैसे बिजली की बचत, पानी का संरक्षण, प्लास्टिक का कम उपयोग और अधिक से अधिक पेड़ लगाना। दुनिया की महाशक्तियों के लिए यह समय परीक्षा का है। यदि वे केवल आर्थिक और सैन्य शक्ति की दौड़ में उलझी रहीं, तो यह पृथ्वी के लिए घातक साबित होगा। उन्हें यह समझना होगा कि पृथ्वी का अस्तित्व ही सबसे बड़ा सत्य है। यदि पृथ्वी नहीं बचेगी, तो कोई भी विकास, कोई भी अर्थव्यवस्था और कोई भी शक्ति मायने नहीं रखेगी। अंततः, जलवायु परिवर्तन एक चेतावनी है–प्रकृति की ओर से, हमारे अपने अस्तित्व के लिए। यह हमें यह सोचने पर मजबूर करता है कि हम किस दिशा में जा रहे हैं और हमें किस दिशा में जाना चाहिए। यह समय है जागने का, समझने का और कार्रवाई करने का। यदि आज हम ठोस और निर्णायक कदम उठाते हैं, तो हम न केवल इस संकट को टाल सकते हैं, बल्कि एक बेहतर, संतुलित और टिकाऊ भविष्य की नींव भी रख सकते हैं। लेकिन यदि हम इसे नजरअंदाज करते रहे, तो आने वाली पीढ़ियों को एक ऐसी पृथ्वी विरासत में मिलेगी, जो न केवल गर्म होगी, बल्कि असंतुलित और खतरनाक भी होगी। इसलिए, अब यह विकल्प नहीं रहा कि हम कुछ करें या न करें। अब यह हमारी जिम्मेदारी है–पृथ्वी को बचाने की, अपने भविष्य को सुरक्षित करने की और आने वाली पीढ़ियों को एक जीवंत, सुंदर और संतुलित दुनिया देने की।

विचार विण्डो

बदलता लिंग अनुपात : जलवायु परिवर्तन का अनदेखा संकेत

नृपेन्द्र अभिषेक नृप

जलवायु परिवर्तन पर चर्चा आमतौर पर बढ़ते तापमान, ग्लेशियरों के पिघलने, समुद्र–स्तर में वृद्धि और चरम मौसम घटनाओं तक सीमित रहती है। लेकिन विज्ञान अब इस वैश्विक संकट के ऐसे सूक्ष्म प्रभावों को भी उजागर कर रहा है, जो सीधे मानव जीवन की संरचना को प्रभावित कर सकते हैं। हालिया शोधों ने एक चौंकाने वाला संकेत दिया है–बढ़ता तापमान जन्म के समय लिंग अनुपात को प्रभावित कर सकता है। यह विषय न केवल वैज्ञानिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि सामाजिक और जनसांख्यिकीय संतुलन के लिहाज से भी गंभीर चिंता का विषय बनता जा रहा है।

लिंग अनुपात किसी भी समाज का एक महत्वपूर्ण संकेतक होता है। यह केवल जन्म लेने वाले लड़कों और लड़कियों की संख्या का अनुपात नहीं, बल्कि समाज की जैविक, सामाजिक और आर्थिक स्थितियों का प्रतिबिंब भी है। सामान्य परिस्थितियों में प्रकृति एक संतुलित अनुपात बनाए रखने की कोशिश करती है। लेकिन यदि यह संतुलन बिगड़ता है, तो इसके दूरगामी परिणाम सामने आते हैं–जैसे सामाजिक असंतुलन, विवाह संबंधी समस्याएं और लैंगिक असमानता में वृद्धि। हाल के वर्षों में अंतरराष्ट्रीय शोध संस्थानों और ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय से जुड़े वैज्ञानिकों द्वारा किए गए अध्ययनों ने इस दिशा में नई सोच को जन्म दिया है। इन अध्ययनों में लाखों जन्म आंकड़ों का विश्लेषण किया गया और यह पाया गया कि जब लंबे समय तक तापमान औसत से अधिक रहता है, तो लड़कों के जन्म की संभावना में हल्की कमी दर्ज की जाती है। यह परिवर्तन भले ही आंकड़ों में छोटा दिखाई देता हो, लेकिन बड़ी आबादी वाले देशों–जैसे भारत–में इसका प्रभाव दीर्घकाल में व्यापक हो सकता है। इस वैज्ञानिक निष्कर्ष के पीछे जैविक कारणों की भी चर्चा की जा रही है। चिकित्सा विज्ञान के अनुसार, पुरुष भ्रूण महिला भ्रूण की तुलना में बाहरी तनावों के प्रति अधिक संवेदनशील होता है। गर्भावस्था के दौरान अत्यधिक गर्मी, शरीर में पानी की कमी, हार्मोनल असंतुलन और

चयापचय प्रक्रियाओं में बदलाव जैसे कारक पुरुष भ्रूण के लिए अधिक जोखिम पैदा कर सकते हैं। विशेष रूप से गर्भावस्था का पहला त्रैमासिक सबसे संवेदनशील माना जाता है, जहां पर्यावरणीय प्रभाव भ्रूण के विकास को गहराई से प्रभावित कर सकते हैं। यह समझना जरूरी है कि तापमान सीधे बच्चे का लिंग निर्धारित नहीं करता। बल्कि यह उन गर्भधारणों को प्रभावित करता है, जो अंततः सुरक्षित जन्म तक पहुंचते हैं। यानी अत्यधिक गर्मी की परिस्थितियों में पुरुष भ्रूण के जीवित रहने की संभावना अपेक्षाकृत कम हो सकती है। हालांकि वैज्ञानिक अभी भी इस संबंध को पूरी तरह स्थापित करने के लिए और शोध कर रहे हैं, फिर भी प्रारंभिक संकेत इस विषय को गंभीरता से लेने के लिए पर्याप्त हैं। भारत जैसे देश में यह मुद्दा और भी संवेदनशील हो जाता है। यहां पहले से ही लिंग अनुपात को लेकर सामाजिक चुनौतियां मौजूद हैं। कई क्षेत्रों में पुत्र वरीयता, भ्रूण लिंग जांच और सामाजिक दबावों के कारण लड़कियों की संख्या कम रही है। यदि जलवायु परिवर्तन भी इस संतुलन को प्रभावित करने लगे, तो स्थिति और जटिल हो सकती है। हालांकि इस शोध के अनुसार गर्मी लड़कों के जन्म को कम कर सकती है, लेकिन सामाजिक हस्तक्षेपों के कारण वास्तविक आंकड़े अलग दिशा भी ले सकते हैं।

इस संदर्भ में यह आवश्यक हो जाता है कि हम जलवायु परिवर्तन को केवल पर्यावरणीय संकट के रूप में न देखें, बल्कि इसे एक व्यापक मानवीय संकट के रूप में समझें। यह हमारी स्वास्थ्य प्रणाली, जनसंख्या संरचना और सामाजिक ताने–बाने को भी प्रभावित कर सकता है। नीति–निर्माताओं के लिए यह एक चेतावनी है कि जलवायु नीतियों में जनस्वास्थ्य और जनसांख्यिकी को भी शामिल किया जाए। सरकार और स्वास्थ्य तंत्र को गर्भवती महिलाओं के लिए विशेष उपाय करने होंगे, खासकर गर्मी के मौसम में। हीट वेव के दौरान सुरक्षित वातावरण, पर्याप्त जल उपलब्धता, पोषण और स्वास्थ्य सेवाओं तक आसान पहुंच सुनिश्चित करना बेहद जरूरी है। ग्रामीण और गरीब क्षेत्रों में यह चुनौती और भी बड़ी है, जहां संसाधनों की कमी के कारण महिलाएं अधिक जोखिम में रहती हैं।

इसके साथ ही, इस विषय पर जागरूकता बढ़ाना भी उतना ही आवश्यक है। लोगों को यह समझना होगा कि जलवायु परिवर्तन केवल भविष्य की समस्या नहीं, बल्कि वर्तमान का वास्तविक संकट है, जो हमारे जीवन के हर पहलू को प्रभावित कर रहा है। शिक्षा और जनसंचार माध्यमों के जरिए इस मुद्दे को व्यापक स्तर पर उठाया जाना चाहिए।

अंततः, यह कहा जा सकता है कि बदलता लिंग अनुपात जलवायु परिवर्तन का एक ऐसा पहलू है, जो हमें इसकी गहराई और व्यापकता का एहसास कराता है। यह केवल तापमान बढ़ने या मौसम बदलने की कहानी नहीं है, बल्कि यह मानव अस्तित्व और संतुलन से जुड़ा प्रश्न है। यदि हम समय रहते इस दिशा में ठोस कदम नहीं उठाते, तो आने वाले वर्षों में इसके परिणाम और अधिक जटिल और गंभीर हो सकते हैं। जलवायु परिवर्तन के इस अनदेखे पहलू को समझना और उस पर कार्य करना आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है–क्योंकि यह केवल प्रकृति का नहीं, बल्कि मानव भविष्य का भी सवाल है।

सीएसके को बड़ा झटका

एमएस धोनी आईपीएल के शुरुआती मैचों से बाहर

यूनिक समय, नई दिल्ली। आईपीएल 2026 के शुरू होने से पहले चेन्नई सुपर किंग्स और एमएस धोनी के फैंस के लिए बुरी खबर सामने आई है। सीएसके ने घोषणा की है कि धोनी पिंडली की मांसपेशियों में खिंचाव के कारण शुरुआती दो हफ्तों तक खेलने में असमर्थ रहेंगे। फ्रेंचाइजी ने सोशल मीडिया के जरिए यह जानकारी दी और कहा कि धोनी फिलहाल रिहैबिलिटेशन प्रोग्राम से गुजर रहे हैं।

एमएस धोनी पिछले कुछ सालों से घुटने और मांसपेशियों की चोट से जूझ रहे हैं, लेकिन उनके अनुभव और कौशल के चलते वे लगातार सीएसके के लिए खेलते आए हैं। धोनी की गैरमौजूदगी में विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी संजू सैमसन को सौंपी जा सकती है। इससे टीम की रणनीति और शुरुआत के प्रदर्शन पर असर पड़ सकता है, खासकर पिछले सीजन में सीएसके के खराब प्रदर्शन को देखते हुए। सीएसके के पहले दो सप्ताह में सीएसके को चार मैच खेलने हैं। उनका पहला मुकाबला 30 मार्च को गुवाहाटी में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ होगा। इसके बाद 3 अप्रैल को सीएसकेऔर पंजाब किंग्स चेन्नई में भिड़ेंगे। पांच अप्रैल को बेंगलुरु में आरसीबी के खिलाफ और 11 अप्रैल को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मैच होंगे। धोनी की गैरमौजूदगी में ये मैच सीएसके के लिए चुनौतीपूर्ण साबित हो सकते हैं। एमएस धोनी की चोट और उनके शुरुआती मैचों से बाहर रहने की स्थिति सीएसके के प्रदर्शन और टीम की रणनीति पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाल सकती है। टीम और फैंस दोनों ही उनके जल्दी ठीक होने की उम्मीद कर रहे हैं, ताकि वे आईपीएल के बाकी मुकाबलों में वापसी कर सकें और सीएसके की सफलता में योगदान दे सकें।

'क्या हुआ तेरा वादा' के स्टार तारिक खान का बदलता जीवन

यूनिक समय, नई दिल्ली। 70 के दशक में बॉलीवुड में अपनी जबरदस्त एक्टिंग और हैंडसम लुक के लिए चर्चित तारिक अली खान एक रॉकस्टार के रूप में जाने जाते थे। उन्होंने अमिताभ बच्चन, राजेश खन्ना और धर्मेंद्र जैसी सुपरस्टार्स के साथ काम किया और 'यादों की बारात', 'हम किसी से कम नहीं' जैसी फिल्मों से दर्शकों का दिल जीत लिया। उनके अंकल नासिर हुसैन द्वारा निर्देशित इन फिल्मों में उनकी एक्टिंग और स्क्रीन प्रेजेंस ने उन्हें स्टारडम दिलाया।

तारिक खान आमिर खान के चचेरे भाई हैं। उनके पिता ने नासिर हुसैन की बहन से शादी की थी। उन्होंने एक इंटरव्यू में बताया कि शुरू में वह एक्टर नहीं बनना चाहते थे, लेकिन परिवार के दबाव में हिंदी सिनेमा में कदम रखा। उन्होंने कई हिट गानों में भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई, जिसमें 'क्या हुआ तेरा वादा' का गाना खास है। वर्तमान में तारिक खान अब लगभग 74 साल के हैं और फिल्म इंडस्ट्री से दूर हैं। उन्होंने 1995 में 'मेरा दामाद' के बाद फिल्मों में काम करना बंद कर दिया। अब वह मुंबई की एक शिपमेंट कंपनी में काम कर रहे हैं। उनका लेटेस्ट लुक और जीवनशैली देखकर उनके फैंस काफी हैरान हैं। वह अब लाइमलाइट से दूर हैं, लेकिन उनके पुराने गाने और फिल्मों में उनका योगदान हमेशा याद किया जाएगा। तारिक खान की कहानी इस बात का उदाहरण है कि बॉलीवुड में स्टारडम अस्थायी हो सकता है, लेकिन प्रतिभा और मेहनत का सम्मान हमेशा रहता है।

बांग्लादेश में फिर से लाइव टेलीकास्ट होगा आईपीएल 2026 का

स्टार स्पोर्ट्स और अन्य चैनलों को मिले अधिकार

यूनिक समय, नई दिल्ली। आईपीएल 2026 के लाइव प्रसारण को लेकर बांग्लादेश में लगी पाबंदी अब हटाई जा चुकी है। बांग्लादेश की नई सरकार ने स्पष्ट किया है कि इस साल आईपीएल का प्रसारण किसी भी चैनल द्वारा किया जा सकता है। सूचना और प्रसारण मंत्री जाहिर उद्दीन स्वपन ने कहा कि खेल और राजनीति को अलग रखा जाएगा और आईपीएल के प्रसारण को व्यावसायिक दृष्टिकोण से देखा जाएगा।

पिछली अंतरिम सरकार ने कोलकाता नाइट राइडर्स द्वारा बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को रिलीज करने के बाद देश में आईपीएल का टेलीकास्ट बैन कर दिया था। नए निर्देशों के बाद यह प्रतिबंध अब समाप्त हो गया है। स्वपन ने संकेत दिए हैं कि स्टार स्पोर्ट्स बांग्लादेश में आईपीएल का प्रसारण कर सकता है और अगर कोई अन्य चैनल आवेदन करता है, तो उस पर भी सकारात्मक विचार किया जाएगा। बांग्लादेश के केबल ऑपरेटर्स एसोसिएशन के ऑफिस सेक्रेटरी रेजाउल करीम लबलू ने कहा कि सरकार की ओर से अब कोई रोक नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि स्टार स्पोर्ट्स आईपीएल का प्रसारण कर सकता है और पुराने निर्देश अब अप्रभावी हैं। इस निर्णय से बांग्लादेश में क्रिकेट फैंस के लिए आईपीएल 2026 का रोमांच घर बैठे देखने का मौका फिर से खुल गया है।

यूट्यूबर अनुराग डोभाल पापा बने

यूनिक समय, नई दिल्ली। यूट्यूबर अनुराग डोभाल हाल ही में पापा बने हैं। उनकी पत्नी ने अपने पहले बच्चे को जन्म दिया। यह खुशखबरी अनुराग के फैंस और सोशल मीडिया फॉलोअर्स के लिए बहुत ही उत्साहजनक है। अनुराग डोभाल को सोशल मीडिया पर यूके 07 राइडर के नाम से जाना जाता है और उनकी लाइफस्टाइल व वीडियो कंटेंट काफी लोकप्रिय हैं।

खास बात यह है कि 21 दिन पहले ही अनुराग ने एक मानसिक संघर्ष का सामना किया था और उन्होंने खुद को मारने की कोशिश की थी। यह घटना उनके लिए और उनके फैंस के लिए चिंता का विषय बनी हुई थी। अब इस नई खुशखबरी के साथ उनके जीवन में एक नया अध्याय शुरू हो गया है। उनके फैंस और सोशल मीडिया कम्युनिटी ने अनुराग डोभाल को बधाई देते हुए और उनके नए परिवार के सदस्य का स्वागत करते हुए पोस्ट शेयर किए हैं। यह घटना इस बात का प्रमाण है कि जीवन में कठिनाइयों के बाद भी खुशियों के नए पल आ सकते हैं। अनुराग के लिए यह समय नई जिम्मेदारियों और नए अनुभवों से भरा रहेगा। उनके बच्चे के जन्म ने उनके जीवन में नई ऊर्जा और उम्मीद का संचार किया है।

अजय देवगन की 'भोला' पर कानूनी विवाद

यूनिक समय, नई दिल्ली। अजय देवगन की फिल्म 'भोला' अब कॉपीराइट विवाद में फंस गई है। फिल्म का विवाद साउथ की हिट फिल्म 'कैथी' से जुड़ा है। 'कैथी' के मेकर्स ड्रीम वॉरियर पिक्चर्स का आरोप है कि 'भोला' उनके फिल्म के रीमेक अधिकारों और कॉपीराइट का उल्लंघन करती है। इस कारण उन्होंने बॉम्बे हाई कोर्ट में अजय देवगन और फिल्म के निर्माताओं के खिलाफ याचिका दायर की है।

ड्रीम वॉरियर पिक्चर्स का दावा है कि उन्होंने अक्टूबर 2019 में 'कैथी' का निर्माण किया और इसके रीमेक अधिकारों सहित सभी कॉपीराइट अधिकार उनके पास थे। बाद में उन्होंने हिंदी रीमेक के लिए 2023 में रिलायंस एंटरटेनमेंट के साथ समझौता किया था, लेकिन आरोप है कि अप्रैल और मई 2023 में उन्हें कुल भुगतान नहीं मिला। लगातार फॉलो-अप के बावजूद पैसे नहीं मिलने पर अक्टूबर 2024 में ड्रीम वॉरियर ने 4 करोड़ रुपये ब्याज सहित नोटिस जारी किया। ड्रीम वॉरियर अब अदालत से 'भोला' की डिस्ट्रिब्यूशन, स्ट्रीमिंग और उससे होने वाली कमाई रोकने की मांग कर रहा है। साथ ही वे चाहते हैं कि समझौते को औपचारिक रूप से समाप्त घोषित किया जाए और फिल्म से होने वाली कमाई का मुआवजा दिया जाए। इसमें अमेजन प्राइम वीडियो, जी एंटरटेनमेंट और टी-सीरीज सहित कई प्लेटफॉर्म्स को भी नामजद किया गया है। कुल मिलाकर, 'भोला' और 'कैथी' विवाद में कॉपीराइट और रीमेक राइट्स की पेमेंट और कानूनी मुद्दों ने इसे विवादास्पद बना दिया है।

फ्रेंच ओपन की तैयारियों पर सवाल

नोवाक जोकोविच ने मोंटे-कार्लो मास्टर्स से नाम वापस लिया

यूनिक समय, नई दिल्ली। दुनिया के तीसरे नंबर के टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने मियामी ओपन के बाद अब मोंटेकार्लो मास्टर्स से भी नाम वापस ले लिया है। इंडियन वेल्स में मिली हार के बाद कोर्ट से दूर रहने वाले जोकोविच के इस क्ले-कोर्ट टूर्नामेंट से हटने से उनके आगामी फ्रेंच ओपन की तैयारियों पर भी सवाल उठने लगे हैं।

जोकोविच ने मियामी ओपन में दाहिने कंधे की चोट के कारण हिस्सा नहीं लिया था। अब मोंटेकार्लो मास्टर्स से हटने की घोषणा करते हुए टूर्नामेंट आयोजकों ने इंस्टाग्राम पर लिखा, "हम नोवाक को शुभकामनाएं देते हैं और उम्मीद करते हैं कि वह जल्द ही कोर्ट पर वापसी करेंगे।" यह कदम खिलाड़ियों और फैंस दोनों के लिए आश्चर्यजनक रहा, क्योंकि जोकोविच का फ्रेंच ओपन में प्रदर्शन हमेशा ध्यान आकर्षित करता है।

38 वर्षीय जोकोविच ने टूर्नामेंट से हटने का कोई व्यक्तिगत बयान नहीं दिया। बीते साल मोंटेकार्लो में उनका प्रदर्शन कमजोर रहा था, जब वह दूसरे दौर में एलेजांद्रो तबिलो से हार गए थे। इस बार भी, 24 बार के ग्रैंड स्लैम विजेता जोकोविच ने बीएनपी पारिबास ओपन के चौथे दौर में जैक ड्रेपर से तीन सेटों में हारने के बाद कोई मैच नहीं खेला है। जोकोविच का यह निर्णय उनके आगामी क्ले-कोर्ट सीजन के लिए एक बड़ा संकेत माना जा रहा है। मोंटेकार्लो मास्टर्स में हिस्सा नहीं लेने से उन्हें मैच फिटनेस और प्रतिस्पर्धा का अभ्यास कम मिलेगा, जो फ्रेंच ओपन में चुनौतीपूर्ण साबित हो सकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि चोट और लगातार टूर्नामेंट से दूर रहने का असर उनके प्रदर्शन पर दिख सकता है, खासकर जब क्ले कोर्ट पर गति और सटीकता की बड़ी जरूरत होती है। फैंस और विश्लेषक अब यह देख रहे हैं कि जोकोविच फ्रेंच ओपन के लिए कितनी तैयारी के साथ वापसी करेंगे। जबकि टूर्नामेंट से हटने की वजह स्पष्ट नहीं हुई है, उनके स्वास्थ्य और फिटनेस पर ध्यान देने का यह निर्णय उनकी लंबी कैरियर रणनीति का हिस्सा हो सकता है। यह स्थिति साबित करती है कि ग्रैंड स्लैम में जीत के लिए सिर्फ प्रतिभा ही नहीं, बल्कि निरंतर प्रशिक्षण और चोट-रहित रहना भी बहुत जरूरी है। जोकोविच की अगली प्रतिस्पर्धा और फ्रेंच ओपन में उनकी स्थिति अब सबसे बड़े सवाल बन गई है।

जैस्मीन सैंडलास ने किया खुलासा, धुरंधर 2 का हिट गाना सुबह चार बजे रिकॉर्ड हुआ

यूनिक समय, नई दिल्ली। फिल्म धुरंधर 2 का सुपरहिट गाना "जाइये सजना" रिलीज वाले दिन ही सुबह चार बजे रिकॉर्ड हुआ था, इसका खुलासा सिंगर जैस्मीन सैंडलास ने किया है। सैंडलास के अनुसार, गाने की आखिरी रिकॉर्डिंग और इसमें छुपे अकेलेपन व धोखे जैसे इमोशन्स ने इसे ट्रेंडिंग बनाया।

सैंडलास ने बताया कि म्यूजिक डायरेक्टर साश्वत सचदेवा के साथ स्टूडियो में वही दिन गाने पर काम चल रहा था। उन्होंने कहा, "जिस दिन एल्बम लॉन्च होना था, उसी दिन गाना लिखा और रिकॉर्ड किया गया। फाइनल टच आखिरी कुछ घंटों में ही दिया गया।" गाने के कुछ हिस्सों पर पहले काम हो चुका था, लेकिन असली परफेक्ट फील अंतिम घंटों में आया।

सैंडल्स ने बताया कि गाने की भावनात्मक गहराई और अकेलेपन की झलक सीधे दर्शकों के दिल तक पहुंच रही है। गाने में सतिंदर सरताज की आवाज को भी काफी सराहा गया, जिसने हुक की ताकत बढ़ाई। इस गाने की खासियत यह है कि यह सिर्फ संगीत नहीं, बल्कि एक अनुभव बन गया है, जो दर्शकों को सीधे जोड़ता है। जैस्मिन सैंडलास ने इस एल्बम में कुल पांच गानों में हिस्सा लिया है, जिनमें "शरारत" और "मैं और तू" भी शामिल हैं। "जाइये सजना" ने दर्शकों के दिलों में अपनी जगह तुरंत बना ली है।

बच्चों की शुरुआती मूवमेंट पर ध्यान दें : वरुण धवन

यूनिक समय, नई दिल्ली। बॉलीवुड स्टार वरुण धवन ने अपनी बेटी लारा की स्वास्थ्य कहानी साझा की। डेढ़ साल की उम्र में लारा को डीडीएच (डेवलपमेंटल डिसप्लेसिया ऑफ द हिप) का पता चला, जिससे वह ठीक से चल या दौड़ नहीं पाती।

वरुण ने बताया कि लारा का 2.5 महीने तक स्पाइका कास्ट में इलाज हुआ और अब वह धीरे-धीरे ठीक हो रही हैं। उन्होंने माता-पिता से अपील की कि बच्चों की शुरुआती मूवमेंट पर ध्यान दें और किसी भी समस्या पर पीडियाट्रिशियन से सलाह लें। वरुण ने फैंस से कहा कि यह खुलासा हमदर्दी के लिए नहीं बल्कि जागरूकता बढ़ाने के लिए है। पिता बनने के बाद उनका स्वभाव नरम हुआ और वह अपनी बेटी की हर जरूरत पूरी करने के लिए हमेशा तैयार रहते हैं।

पीएम ने नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का किया उद्घाटन

जेवर एयरपोर्ट से बदलेगा यूपी का भविष्य : मोदी

25 साल बाद साकार हुआ एयरपोर्ट का सपना

छोटे शहरों तक बढ़ेगी हवाई कनेक्टिविटी सुविधा

रोजगार और निवेश के नए अवसर होंगे पैदा

डबल इंजन सरकार ने परियोजना को दी गति

यूनिक समय, नोएडा। ग्रेटर नोएडा के जेवर में आज विकास की एक ऐतिहासिक उड़ान देखने को मिली, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पहले चरण का उद्घाटन किया। करीब 25 वर्षों से जिस सपने का इंतजार था, वह आखिरकार हकीकत बन गया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने इसे "विकसित उत्तर प्रदेश की उड़ान" का प्रतीक बताया।

अपने संबोधन में पीएम मोदी ने कहा कि एयरपोर्ट केवल एक सुविधा नहीं, बल्कि आर्थिक प्रगति का इंजन होते हैं। उन्होंने बताया कि 2014 से पहले देश में जहां सिर्फ 74 एयरपोर्ट थे, वहीं अब इनकी संख्या 160 से अधिक हो चुकी है। इससे छोटे शहरों तक हवाई कनेक्टिविटी पहुंची है और आम नागरिकों के लिए हवाई यात्रा आसान बनी है।

प्रधानमंत्री ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि पहले के मुख्यमंत्री नोएडा आने से डरते थे और इस क्षेत्र को "लूट का एटीएम" बना दिया गया था। उन्होंने कहा कि आज डबल इंजन सरकार के कारण वही नोएडा विकास का मजबूत केंद्र बन चुका है।

उन्होंने यह भी बताया कि इस परियोजना को पहली बार अटल बिहारी वाजपेयी सरकार ने 2003 में मंजूरी दी थी, लेकिन वर्षों तक यह फाइलों में ही अटका रहा। अब केंद्र और राज्य में एक जैसी सरकार होने के कारण इस परियोजना को गति मिली और आज यह साकार हो पाई।

पीएम मोदी ने कहा कि यह एयरपोर्ट पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कई शहरों–आगरा, मथुरा, मेरठ, अलीगढ़ और गाजियाबाद के लिए आर्थिक और रोजगार के नए अवसर खोलेगा। साथ ही, यहां से हर दो मिनट में एक विमान उड़ान भरने की क्षमता भविष्य में विकसित की जा रही है।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी इस परियोजना को नए भारत के विकास का प्रतीक बताया और कहा कि इससे प्रदेश को वैश्विक पहचान मिलेगी।

कुल मिलाकर, जेवर एयरपोर्ट केवल एक बुनियादी ढांचा परियोजना नहीं, बल्कि उत्तर प्रदेश और देश के लिए विकास, रोजगार और वैश्विक कनेक्टिविटी का नया द्वार साबित होने जा रहा है।

राजघाट: महायज्ञ में अचानक लगी भीषण आग से मचा हड़कंप

श्रद्धालुओं में मची अफरा–तफरी, भागते नजर आए लोग

दमकल की टीम ने मौके पर संभाला मोर्चा

यज्ञ स्थल को भारी नुकसान, कारण अब तक स्पष्ट नहीं

प्रशासन ने दिए जांच के आदेश, सुरक्षा पर उठे सवाल

यूनिक समय, अयोध्या। अयोध्या के राजघाट क्षेत्र में चल रहे श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ के दौरान शनिवार को अचानक भीषण आग लगने से अफरा–तफरी मच गई। आग लगने का कारण फिलहाल स्पष्ट नहीं हो सका है, लेकिन घटना ने पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल पैदा कर दिया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, महायज्ञ में बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद थे, तभी अचानक आग की लपटें उठने लगीं। देखते ही देखते आग तेजी से फैल गई, जिससे वहां मौजूद लोगों में भगदड़ जैसे हालात बन गए। लोग अपनी जान बचाने के लिए इधर–उधर भागने लगे।

सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और राहत–बचाव कार्य शुरू किया गया। दमकल की चार से अधिक गाड़ियां आग पर काबू पाने के प्रयास में जुटी रहीं। रेस्क्यू टीम ने समय रहते मोर्चा संभाल लिया, जिससे किसी बड़े हादसे को टालने में मदद मिली। बताया जा रहा है कि यह महायज्ञ स्वामी जी महाराज के सानिध्य में आयोजित किया जा रहा था, जिसकी अध्यक्षता प्रदेश के परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह कर रहे थे। घटना के समय वह भी मौके पर मौजूद थे। उनके साथ गोसाईगंज के विधायक अभय सिंह भी उपस्थित थे। घटना के बाद प्रशासनिक अमला भी तुरंत सक्रिय हो गया और स्थिति को नियंत्रण में लेने के लिए आवश्यक कदम उठाए गए। हालांकि, अभी तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं मिली है, लेकिन आग से यज्ञ स्थल को काफी नुकसान पहुंचा है। स्थानीय प्रशासन ने घटना की जांच के आदेश दे दिए हैं। प्रारंभिक अनुमान के अनुसार, आग शॉर्ट सर्किट या यज्ञ कुंड की चिंगारी से फैल सकती है, लेकिन इसकी पुष्टि जांच के बाद ही हो पाएगी। इस घटना ने एक बार फिर बड़े धार्मिक आयोजनों में सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। फिलहाल राहत की बात यह है कि समय रहते आग पर काबू पाने की कोशिशें जारी हैं और स्थिति नियंत्रण में लाई जा रही है।

गिग वर्करों के हक में सख्ती, कंपनियां को घेरेगी सरकार

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश में तेजी से बढ़ती गिग इकॉनमी के बीच अब डिलीवरी बॉय और प्लेटफॉर्म वर्करों के शोषण का मुद्दा खुलकर सामने आ गया है। प्रदेश में करीब 15 लाख गिग वर्कर सक्रिय हैं, लेकिन हैरानी की बात यह है कि इनमें से सिर्फ 10 प्रतिशत का ही पंजीकरण हुआ है। इस स्थिति को गंभीर मानते हुए श्रम विभाग ने अब सख्त रुख अपनाया है।

श्रम विभाग के अनुसार, कई कंपनियां बिना श्रमिक का पक्ष सुने उनकी आईडी ब्लॉक कर देती हैं, जिससे उनकी रोजी–रोटी पर सीधा असर पड़ता है। अब नई व्यवस्था के तहत कंपनियां ऐसा एकतरफा फैसला नहीं ले सकेंगी। हर वर्कर को अपनी बात रखने का अधिकार दिया जाएगा।

प्रमुख सचिव (श्रम) डॉ. शंमुगा सुन्दरम ने स्पष्ट किया है कि गिग वर्करों को अब कानूनी पहचान मिल चुकी है और कंपनियों को उनकी सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करनी होगी। इसके तहत स्वास्थ्य बीमा, दुर्घटना कवर और अन्य सुविधाएं देना जरूरी होगा।

प्रदेश में करीब 200 ऑनलाइन प्लेटफॉर्म सक्रिय हैं, जिनमें जोमैटो, स्विगी, उबर और ओला जैसी बड़ी कंपनियां शामिल हैं। इन सभी पर अब जवाबदेही तय की जाएगी।

अदालत ने 15 साल पुराने मामले में सुनाया बड़ा फैसला

तत्कालीन डीआईजी पर हमले के 16 दोषियों को

सजा सुनते ही कोर्ट परिसर में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था

हिंसक बवाल के बाद दर्ज हुआ था संगीन मुकदमा

फैसले से कानून व्यवस्था पर सख्त संदेश गया

यूनिक समय, मुरादाबाद। बहुचर्चित मैनाठेर कांड में अदालत ने बड़ा फैसला सुनाते हुए तत्कालीन डीआईजी पर हमले के मामले में 16 दोषियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। एडीजे–दो कृष्ण कुमार की अदालत ने शनिवार को सजा पर सुनवाई पूरी करते हुए यह निर्णय दिया।

यह मामला करीब 15 वर्ष पुराना है, जब 6 जुलाई 2011 को मैनाठेर थाना क्षेत्र के असालतनगर बघा गांव में पुलिस एक आरोपी की तलाश में दबिश देने पहुंची थी। इसी दौरान धार्मिक पुस्तक के अपमान का आरोप लगाकर स्थानीय लोगों ने विरोध शुरू कर दिया, जो देखते ही देखते हिंसक बवाल में बदल गया।

उग्र भीड़ ने मुरादाबाद–संभल रोड पर कई स्थानों पर जाम लगा दिया और मैनाठेर थाने व डीगरपुर पुलिस चौकी में आगजनी की। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचे तत्कालीन डीआईजी अशोक कुमार और तत्कालीन डीएम राजशेखर को भीड़ ने घेर लिया। इस दौरान डीआईजी पर जानलेवा हमला किया गया और उनकी पिस्टल भी छीन ली गई थी।

मामले में पीआरओ रवि कुमार की तहरीर पर 33 नामजद और करीब 300 अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। जांच के बाद 25 आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की गई, जिनमें से कुछ मामलों को किशोर न्यायालय भेजा गया और कुछ आरोपियों की सुनवाई के दौरान मौत हो गई।

23 मार्च को अदालत ने 16 आरोपियों को दोषी करार दिया था, जिसके बाद अब उन्हें उम्रकैद की सजा सुनाई गई है। सजा सुनाए जाने के दौरान कोर्ट परिसर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। दोषियों को पुलिस सुरक्षा में पेश किया गया।

फैसले के बाद जहां पीड़ित पक्ष को न्याय मिलने का संतोष है, वहीं दोषियों के परिजन सन्न रह गए। यह फैसला कानून व्यवस्था के प्रति सख्त संदेश के रूप में देखा जा रहा है कि हिंसा और कानून हाथ में लेने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।

एनबीआरआई की रिपोर्ट में बड़ा खुलासा

लखनऊ की हवा बनी धीमा जहर, बढ़ा खतरा

यूनिक समय, लखनऊ। लखनऊ की हवा अब सेहत के लिए गंभीर खतरा बनती जा रही है। राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान (एनबीआरआई) की ताजा रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि शहर की हवा में एल्युमीनियम, आयरन और मैगनीज जैसी भारी धातुएं मौजूद हैं, जो धीरे–धीरे लोगों के शरीर को नुकसान पहुंचा रही हैं।

वैज्ञानिकों ने लाइकेन (पेड़ों पर उगने वाले कवक) के जरिए यह अध्ययन किया, जो हवा की गुणवत्ता का सटीक संकेतक माना जाता है। शोध के दौरान शहर के विभिन्न इलाकों से नमूने लिए गए, जिसमें पॉलीटेक्निक चौराहा और हजरतगंज जैसे व्यस्त क्षेत्र सबसे ज्यादा प्रदूषित पाए गए, जबकि जनेश्वर मिश्र पार्क और मलिहाबाद जैसे हरित क्षेत्रों में प्रदूषण काफी कम मिला। विशेषज्ञों के अनुसार, इन भारी धातुओं का असर बेहद खतरनाक हो सकता है। इससे अस्थमा, याददाश्त कमजोर होना, पार्किंसन और यहां तक कि कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है।

वैज्ञानिकों ने स्थिति को गंभीर बताते हुए लोगों को सावधानी बरतने की सलाह दी है। ट्रैफिक सिग्नल पर वाहन बंद रखना, निजी वाहनों का कम उपयोग करना और इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाना जरूरी बताया गया है। साथ ही, शहर में हरित क्षेत्र बढ़ाने और अधिक पेड़ लगाने पर भी जोर दिया गया है। यह रिपोर्ट साफ संकेत देती है कि अगर समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाले समय में यह 'धीमा जहर' बड़े स्वास्थ्य संकट में बदल सकता है।

सीएचसी में सोता स्टाफ, जिंदगी से खिलवाड़ मामला

यूनिक समय, लखनऊ। लखनऊ के अलीगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में चिकित्सा लापरवाही का चौंकाने वाला मामला सामने आया है। प्रसव के लिए भर्ती गर्भवती महिला को ओटी टेबल पर छोड़कर स्टाफ सो गया। इस दौरान नवजात आधा गर्भ से बाहर आ गया, लेकिन कोई मौजूद नहीं था। परिजनों के शोर मचाने पर स्टाफ जागा और जल्दबाजी में डिलीवरी कराई गई। परिवार ने आरोप लगाया कि लापरवाही के बाद भी उनसे 2200 रुपये वसूले गए। वहीं अस्पताल प्रशासन ने इन आरोपों को निराधार बताया है और शिकायत मिलने पर जांच की बात कही है।

सार संक्षेप

अमेरिका में नेशनल इमरजेंसी की घोषणा

यूनिक समय, नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सरकारी कामबंदी के 41 दिनों बाद नेशनल इमरजेंसी घोषित की और होमलैंड सिक्योरिटी को निर्देश दिया कि टीएसए अधिकारियों को रुकी हुई सैलरी तुरंत दी जाए। रिपब्लिकन प्रतिनिधि सभा ने सीनेट के सर्वस्मति विधेयक को खारिज कर अस्थाई विधेयक पेश किया। सरकारी कर्मचारियों के बिना वेतन काम न करने और इस्तीफों के कारण एयरपोर्ट्स पर लंबी कतारें लगीं। ट्रंप ने इस संकट के लिए डेमोक्रेट्स को जिम्मेदार ठहराया।

रक्षा मंत्री ने मंत्रियों के अनौपचारिक समूह के साथ बैठक की

यूनिक समय, नई दिल्ली। रक्षा मंत्री

राजनाथ सिंह ने शनिवार को पश्चिम एशिया संकट पर मंत्रियों के अनौपचारिक समूह की पहली बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में हालात का मूल्यांकन और भारतीय नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने पर चर्चा हुई। केंद्र सरकार ने भरोसा दिया कि ईंधन की कोई कमी नहीं होगी। इससे पहले, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों के साथ डिजिटल बैठक कर संभावित प्रभाव और तैयारियों की समीक्षा की।

ट्रांस-अरुणाचल राजमार्ग मुआवजा घोटाले में ईडी की कार्रवाई

यूनिक समय, नई दिल्ली। अरुणाचल प्रदेश में ट्रांस-अरुणाचल राजमार्ग (टीएएच) भूमि अधिग्रहण मुआवजा घोटाले में ईडी ने 2.37 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की। इसमें 47,350 वर्ग मीटर जमीन शामिल है। जांच में सामने आया कि लगभग 44.98 करोड़ रुपये का अतिरिक्त भुगतान किया गया था, जिससे सरकारी खजाने को भारी नुकसान हुआ। कार्रवाई धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के तहत की गई। इसमें कई लोक सेवक और निजी व्यक्ति, सहित तत्कालीन उपायुक्त केमो लोलेन, संलिप्त पाए गए।

प्रद्युत बोरदोलोई ने कांग्रेस छोड़ने का कारण बताया

यूनिक समय, नई दिल्ली। असम के दो बार सांसद प्रद्युत बोरदोलोई ने कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल होने की वजह भेदभाव और अपमान बताया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस में उन्हें जानबूझकर हाशिए पर रखा गया, लोकसभा में बोलने का अवसर सीमित किया गया और पंचायत चुनाव 2025 में उनके साथ हमला भी हुआ। बोरदोलोई ने स्पष्ट किया कि खरगे और सोनिया गांधी ने कभी भेदभाव नहीं किया, लेकिन पार्टी की दूसरी पंक्ति के नेताओं ने उन्हें अलग-थलग किया। भाजपा में शामिल होने के बाद उन्होंने दिस्पुर से चुनाव लड़ने का निर्णय लिया।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम में होगा संशोधन

संसद में महिलाओं को मिलेगा 33 प्रतिशत आरक्षण

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारत सरकार ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023 में संशोधन की तैयारी कर ली है। इसके लिए मई 2026 में दो दिन का विशेष सत्र बुलाया जाएगा, जिसमें यह बिल पेश किया जाएगा और संसद से मंजूरी दिलाई जाएगी। वर्तमान सत्र दो अप्रैल को स्थगित होगा, और स्थगन से पहले सरकार सदन में इसकी सूचना देगी कि मई में विशेष सत्र में कार्यवाही होगी। संशोधन के बाद, इस अधिनियम के तहत महिलाओं को सभी विधानसभाओं और लोकसभा में 33 प्रतिशत आरक्षण मिलेगा। 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' पहली बार 1996 में संसद में लाया गया था, लेकिन विभिन्न कारणों से इसे दोनों सदनों में पास नहीं किया जा सका। अंततः सितंबर 2023 में यह बिल दोनों सदनों से पारित हुआ। इस अधिनियम में यह प्रावधान है कि हर आम जनगणना के बाद नए परिसीमन के अनुसार सीटें बढ़ेंगी, और बढ़ी हुई सीटों में महिलाओं के लिए आरक्षण आरंभ होगा। सरकार अब इस अधिनियम में बदलाव कर इसे 2011 की जनगणना के अनुसार लागू करने की तैयारी कर रही है। इससे पहले अधिनियम के तहत आरक्षण का लाभ अगले जनगणना के बाद ही लागू होता था। संशोधन के बाद, वर्तमान सीटों के आधार पर भी महिलाओं के लिए आरक्षण सुनिश्चित किया जाएगा। यह कदम महिला प्रतिनिधित्व को मजबूत करने और राजनीतिक क्षेत्र में नारी शक्ति को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इससे न केवल संसद और विधानसभाओं में महिलाओं की हिस्सेदारी बढ़ेगी, बल्कि राजनीतिक निर्णयों में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी भी सुनिश्चित होगी। सरकार का यह प्रयास महिला सशक्तिकरण और समान प्रतिनिधित्व की दिशा में एक बड़ा कदम है, जो भारतीय लोकतंत्र में महिलाओं की भूमिका को और अधिक सुदृढ़ करेगा।

विशेष सत्र में आएगा बिल

सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने जगन्नाथ मंदिर में की पूजा

यूनिक समय, नई दिल्ली। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी अपने तीन दिवसीय ओडिशा दौरे के दौरान शनिवार सुबह श्री जगन्नाथ मंदिर, पुरी पहुंचे। उन्होंने अपनी पत्नी सुनीता द्विवेदी के साथ मंदिर में पूजा-अर्चना की और देश व सेना के लिए आशीर्वाद मांगा। मंदिर में उन्होंने भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा के दर्शन कर श्रद्धा व्यक्त की।

दर्शन के बाद जनरल द्विवेदी ने कहा कि उन्होंने भारतीय सेना की सफलता और उज्ज्वल भविष्य के लिए भगवान से प्रार्थना की। उन्होंने मंदिर में गहरी शांति और आध्यात्मिक ऊर्जा का अनुभव साझा किया और कहा कि वे हर साल यहां आकर भगवान जगन्नाथ का आशीर्वाद लेने की कोशिश करेंगे। मंदिर दर्शन के बाद उनका अगला कार्यक्रम गोपालपुर का है। वहां वे आर्मी एयर डिफेंस कॉलेज का दौरा करेंगे और प्रशिक्षण व्यवस्था, इंफ्रास्ट्रक्चर और फील्ड फायरिंग रेंज में लाइव फायरिंग प्रदर्शन का निरीक्षण करेंगे। इसके अलावा वे तैनात अधिकारियों और पूर्व सैनिकों से भी मुलाकात करेंगे। जनरल द्विवेदी का यह दौरा धार्मिक आस्था और सेना की तैयारियों के बीच संतुलन को दर्शाता है। यह यात्रा न केवल आध्यात्मिक रूप से महत्वपूर्ण है, बल्कि सेना की मजबूती और समन्वय को भी उजागर करती है। उनके दौरे का समापन रविवार को नई दिल्ली लौटकर होगा।

चुन-चुनकर घुसपैठियों को देश से बाहर करेंगे: अमित शाह

यूनिक समय, नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 को लेकर टीएमसी और ममता बनर्जी पर तीखा हमला किया। कोलकाता में प्रेस कॉन्फ्रेंस में शाह ने ममता सरकार के 15 साल के शासन को "अराजकता का काला अध्याय" बताया और कहा कि छह मई को अगर भाजपा सत्ता में आती है तो घुसपैठ और भ्रष्टाचार के दिन खत्म हो जाएंगे।

शाह ने सीधे ममता को चुनौती देते हुए कहा, "जितना रोना है, रो-धो लो, हम चुन-चुनकर घुसपैठियों को मतदाता सूची से निकालेंगे और देश से बाहर करेंगे।" उन्होंने असम मॉडल का उदाहरण दिया और वादा किया कि 45 दिनों में सीमा पर बाड़ लगाकर सीमा पूरी तरह सील कर दी जाएगी। उन्होंने जनता के लिए चुनाव को "मुक्ति का चुनाव" बताया और भरोसे के विकल्प दिए: शांति, पक्का घर, मुफ्त इलाज, मुफ्त बिजली और युवाओं का उज्ज्वल भविष्य। शाह ने कहा कि बंगाल भ्रष्टाचार और सिंडिकेट राज की प्रयोगशाला बन गया है। युवाओं के लिए भर्ती प्रक्रिया में पांच साल का रिलैक्सेशन और पारदर्शी एसएससी भर्तियों का ऐलान भी किया।

बंगाल चुनाव: ममता जी अब रोने का समय खत्म!

आचार संहिता का उल्लंघन मामले में सूचना अधिकारी निलंबित

यूनिक समय, नई दिल्ली। केरल के कन्नूर जिले में एक सूचना अधिकारी को आचार संहिता उल्लंघन के आरोप में निलंबित कर दिया गया। मामला एलडीएफ की शिकायत से जुड़ा था, जिसमें उनके उम्मीदवार के खिलाफ यूडीएफ द्वारा चरित्र हनन का आरोप था। अधिकारी ने बिना अनुमति प्रेस विज्ञप्ति जारी कर विवाद पैदा किया।

जिलाधिकारी और जिला निर्वाचन अधिकारी अरुण के. विजयन ने कार्रवाई की पुष्टि की। यह कार्रवाई लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 134 और चुनाव आयोग के निर्देशों का उल्लंघन मानी गई।

कांग्रेस ने आरोप लगाया कि अधिकारी ने राजनीतिक प्रचार में भाग लिया और पक्षपाती संचार जारी किया। केरल विधानसभा चुनाव 2026 के लिए मतदान नौ अप्रैल को होगा और गिनती चार मई को।

डिलीवरी के लिए खड़े टेम्पो से 27 एलपीजी सिलेंडर चोरी

यूनिक समय, नई दिल्ली। मुंबई के कांदिवली चारकोप इलाके में गैस डिलीवरी के लिए खड़े टेम्पो से 27 एलपीजी सिलेंडर चोरी हो गए। चोरी की वारदात 25-26 मार्च की देर रात हुई। टेम्पो में पांच सिलेंडर भरे हुए और 22 खाली थे। कुल सिलेंडरों की कीमत लगभग 15,500 रुपये आंकी गई है। टेम्पो के लॉक को तोड़कर चोरों ने सभी सिलेंडर ले गए।

मालाड स्थित जय जनता नगर के निवासी नंदकुमार रामराज सोनी (35) पिछले सात वर्षों से श्रीजी गैस सर्विस में सिलेंडर डिलीवरी का काम कर रहे हैं। सोनी ने बताया कि उन्होंने रोज की तरह 25 मार्च को दिनभर डिलीवरी की और रात में टेम्पो खड़ा कर घर लौट आए। अगले दिन सुबह जब टेम्पो के पास पहुंचे तो सिलेंडर गायब थे। उन्होंने पहले अपने सहकर्मियों से पूछताछ की, लेकिन किसी को सिलेंडर लेने से इंकार करना पड़ा। इसके बाद सोनी ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। चारकोप पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज किया और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए टीमें गठित की हैं। सीसीटीवी फुटेज खंगाली जा रही है और संदिग्धों की पहचान की कोशिश की जा रही है। पुलिस कबाड़ी बाजार और अवैध गैस कारोबार से जुड़े लोगों से भी पूछताछ कर रही है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस हर पहलू से जांच कर रही है और जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार करने का दावा किया है।

पर्यटकों से भरी बस पलटी, पांच लोगों की मौत, 40 घायल

यूनिक समय, नई दिल्ली। ओडिशा के नयागढ़ जिले में एक पर्यटक बस पलटने से पांच लोगों की मौत और लगभग 40 घायल हो गए। हादसा शुक्रवार देर रात दसपल्ला थाना क्षेत्र, टाकराघाट हनुमान घाटी के पास हुआ। बस में करीब 60 यात्री सवार थे, जो ब्रह्मपुर से हरिशंकर घूमने के लिए निकले थे। यात्रा के दौरान चालक का वाहन पर नियंत्रण बिगड़ गया और बस एक बड़े पत्थर से टकराकर पलट गई।

हादसे में बस चालक प्रवीण साहू सहित पांच लोगों की जान चली गई। मृतकों में हरि पात्रा, लक्ष्मी पात्रा, सुप्रभा साहू, सुमति साहू शामिल हैं। सभी मृतक ब्रह्मपुर के रहने वाले बताए जा रहे हैं। घटना के दौरान कई यात्री बस से बाहर जा गिरे, जबकि 10 से अधिक लोग बस के नीचे दब गए। सूचना मिलते ही दसपल्ला और बनिगोछा थाना पुलिस, फायर ब्रिगेड और एंबुलेंस मौके पर पहुंचे। फंसे लोगों को निकालने के लिए गैस कटर का इस्तेमाल किया गया। घायलों को दसपल्ला सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां प्राथमिक इलाज के बाद गंभीर रूप से घायल 15 लोगों को जिला अस्पताल रेफर किया गया। पुलिस ने हादसे की जांच शुरू कर दी है। यह दुर्घटना सड़क सुरक्षा और वाहन चलाते समय सतर्क रहने की जरूरत को उजागर करती है।

तेज रफ्तार कार खड़ी बस से टकराई एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत

यूनिक समय, नई दिल्ली। आंध्र प्रदेश के चित्तूर जिले में शुक्रवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। तेज रफ्तार कार सड़क पर खड़ी आंध्र प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम की बस से टकरा गई, जिसमें तेलंगाना के वारंगल निवासी 46 वर्षीय श्रीधर राव, उनकी 40 वर्षीय पत्नी लक्ष्मी और 16 वर्षीय बेटी अद्विका की मौके पर ही मौत हो गई। कार में सवार लोग बेंगलुरु से तिरुमला की यात्रा पर थे।

पुलिस के अनुसार बस पलामानेर से पुत्तूर की ओर जा रही थी और सड़क किनारे रुकी हुई थी। तभी तेज गति से आ रही कार ने बस के पीछे जोरदार टक्कर मारी। टक्कर इतनी भयंकर थी कि कार का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और कार में सवार तीनों की मौत हो गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत अधिकारियों को सूचना दी। पुलिस और इमरजेंसी टीम ने मौके पर पहुंचकर रेस्क्यू किया और सड़क से कार हटाई।

दिल्ली के स्मारकों पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, एएसआई निदेशक को दिया अवमानना नोटिस

यूनिक समय, नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली के संरक्षित स्मारकों के संरक्षण को लेकर कड़ा रुख अपनाया है और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के महानिदेशक को अवमानना नोटिस जारी किया। अदालत ने 173 हेरिटेज साइट्स की स्थिति पर जवाब न देने को आदेशों का उल्लंघन माना और उन्हें अगली सुनवाई में व्यक्तिगत रूप से पेश होने को कहा। कोर्ट ने दिल्ली सरकार के पुरातत्व विभाग और नगर निगमों की अधूरी रिपोर्ट पर नाराजगी जताई। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) ने 62 और नई दिल्ली नगर निगम (एनडीएमसी) ने सिर्फ दो स्मारकों का निरीक्षण किया। सुप्रीम कोर्ट ने विस्तृत हलफनामा दाखिल करने और प्रत्येक स्मारक की ताजा स्थिति व तस्वीरें प्रस्तुत करने का निर्देश दिया।

जिला पंचायत बोर्ड की बैठक में सर्वांगीण विकास पर जोर

बजट व प्रस्तावों को दी मंजूरी

यूनिक समय, मथुरा। जिला पंचायत बोर्ड की वार्षिक बैठक शनिवार को राजीव भवन सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता जिला पंचायत अध्यक्ष किशन चौधरी ने की। इस दौरान जिला पंचायत सदस्यों ने अपने–अपने क्षेत्रों में कराए जाने वाले विकास कार्यों के प्रस्ताव पटल पर रखे और उन पर विस्तृत चर्चा की गई।

अध्यक्ष किशन चौधरी ने कहा कि बैठक का मुख्य उद्देश्य जनपद के सर्वांगीण विकास के लिए ठोस निर्णय लेना और सरकार की योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करना है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि स्वीकृत कार्यों को समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा किया जाए।

बैठक में वर्ष 2026–27 के लिए जिला पंचायत का वार्षिक बजट, राज्य वित्त आयोग एवं केन्द्रीय पन्द्रहवें वित्त आयोग के अंतर्गत वार्षिक कार्ययोजना, लेबर बजट, पुनरीक्षित बजट तथा मूल बजट को मंजूरी प्रदान की गई। इसके अलावा अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) के पत्र संख्या 260/सात–बी/भू.व्यय/2025 पर विचार–विमर्श किया गया। जिला पंचायत मानव चिकित्सालय परिसर में निर्मित आवासीय भवनों के आवंटन में नियमानुसार किराया वृद्धि के साथ आगामी 10 वर्षों के लिए आवंटन का प्रस्ताव भी रखा गया। ग्राम पंचायत पिलुआ सादिकपुर, विकास खंड फरह के एक ग्राम पंचायत सदस्य के त्यागपत्र पर भी विचार किया गया। सड़कों एवं अन्य निर्माण कार्यों से जुड़े प्रस्तावों को भी स्वीकृति दी गई। इसके साथ ही जिला पंचायत परिसर स्थित क्षतिग्रस्त कैनरा बैंक भवन के पुनर्निर्माण के लिए 50 लाख रुपये के व्यय को स्वीकृति प्रदान की गई। बैठक में विधायक बलदेव पूरन प्रकाश, जनप्रतिनिधि, ब्लॉक प्रमुख, जिला पंचायत सदस्य एवं जनपदीय अधिकारीगण उपस्थित रहे। अंत में अध्यक्ष किशन चौधरी ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों के विकास के लिए जिला पंचायत प्रतिबद्ध है और जनहित से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर आगे बढ़ाया जाएगा। बैठक में विधायक बलदेव पूरन प्रकाश के अलावा जन प्रतिनिधि, ब्लॉक प्रमुख, जिला पंचायत सदस्य सहित जनपदीय अधिकारीगण उपस्थित रहे। बोर्ड बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष ने समग्र विकास से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर भी चर्चा के साथ ही संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध एवं प्रभावी अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए तथा उन्होंने पंचायत सदस्यों अन्य प्रशासनिक अधिकारियों से कहा कि जनता की सेवा और क्षेत्र के विकास के लिए हमारी प्रतिबद्धता निरंतर जारी है। इस दौरान जिला पंचायत सदस्यों ने अपने अपने क्षेत्र की समस्याओं को बोर्ड के सामने रखा। सही करके देनी है।

महर्षि गौतम ब्राह्मण शोभायात्रा रविवार को भव्य झांकियों के साथ निकलेगी

यूनिक समय, मथुरा। महर्षि गौतम ब्राह्मण समाज द्वारा रविवार को सायं 5 बजे भव्य शोभा यात्रा का आयोजन किया जाएगा। यह शोभा यात्रा कैलाश पैलेस, पुष्पांजलि उपवन से प्रारंभ होकर शांति नगर, महोली रोड तक विभिन्न आकर्षक झांकियों के साथ निकाली जाएगी। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सांसद सतीश गौतम उपस्थित रहेंगे, विशिष्ट अतिथि हरियाणा सरकार के खेलकूद राज्यमंत्री गौरव गौतम एवं एसकेएस के चेयरमैन एस.के. शर्मा शामिल होंगे। शोभा यात्रा के आयोजकों एवं पदाधिकारियों ने समाज के सभी लोगों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है।

नारी के बिना स्वस्थ समाज की परिकल्पना संभव नहीं: बिहारी लाल

महिला को सम्मानित करते पदाधिकारी व अतिथि।

यूनिक समय, मथुरा। विगत 22 मार्च को आयोजित विप्र स्वाभिमान सम्मेलन में नारी शक्ति की अभूतपूर्व भागीदारी को देखते हुए विशेष नारी सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ब्रज प्रदेश अध्यक्ष पंडित बिहारी लाल वशिष्ठ ने कहा कि नारी के बिना किसी भी स्वस्थ समाज की कल्पना संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि आज महिलाएं हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं, ऐसे में समाज को पुरानी सोच बदलनी होगी। ब्रज प्रदेश महामंत्री राजेश पाठक ने कहा कि ब्राह्मण समाज को राजनीतिक रूप से विभाजित करने का प्रयास किया जाता रहा है और समाज को एकजुट होकर अपने अधिकारों के लिए सजग रहना होगा। कार्यक्रम में वक्ताओं ने समाज में नारी सम्मान, एकता और वर्तमान सामाजिक–राजनीतिक परिस्थितियों पर अपने विचार व्यक्त किए। इस दौरान विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाली महिलाओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन मनोज शर्मा ने किया। इस अवसर पर जयराम शर्मा, अंजली पाठक, प्रिया त्यागी सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

वृंदावन पहुंचे सिंधी संतों का भव्य स्वागत

सिंधी संतों का स्वागत करते सिंधी समाज के लोग।

यूनिक समय, मथुरा। लखनऊ और अहमदाबाद से आए सिंधी संतों के एक जत्थे का वृंदावन आगमन पर मथुरा के सिंधी समाज ने भव्य स्वागत किया और उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। मीडिया प्रभारी किशोर इसरानी ने बताया कि लखनऊस्थित शिवशांति संत आसूदाराम आश्रम, सखी दरबार के संत साईं श्री मोहनलाल जी महाराज तथा अमरधाम, अहमदाबाद के संत साईं श्री जगदीश लाल जी के सानिध्य में संतों का यह जत्था वृंदावन भ्रमण एवं सत्संग प्रवचन हेतु पहुंचा। संतों ने विभिन्न मंदिरों के दर्शन किए और छटीकरा रोड स्थित मां ज्वाला धाम श्रीकृष्णा आश्रम में सत्संग का आयोजन किया। सत्संग में साईं मोहनलाल जी महाराज ने सिंधी समाज को अपनी संस्कृति, भाषा और परंपराओं को संरक्षित रखने का संदेश दिया। उन्होंने भगवान झूलेलाल के जीवन और शिक्षाओं को नई पीढ़ी तक पहुंचाने पर जोर दिया। इस अवसर पर सिंधी जनरल पंचायत के अध्यक्ष नारायण दास लखवानी सहित अनेक गणमान्य लोगों ने संतों का शाल ओढ़ाकर स्वागत किया। अंत में नानकचंद लखमानी ने सभी का आभार व्यक्त किया।

भक्तों ने लिया आशीर्वाद

ब्रज के ऐतिहासिक आतिशबाजी मेले में उमड़ी भीड़

यूनिक समय, राया। कस्बा राया स्थित गणेशबाग परिसर में माता मनकामेश्वरी देवी मंदिर पर 70 वें प्रसिद्ध आतिशबाजी मेले का भव्य आयोजन किया गया। मेले को देखने के लिए दूर–दराज से भारी संख्या में श्रद्धालु एवं दर्शक पहुंचे। आतिशबाज कलाकारों ने अपनी अद्भुत कला का प्रदर्शन कर लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया, वहीं रात्रि में रसिया दंगल का आयोजन भी आकर्षण का केंद्र रहा। कार्यक्रम के दौरान ठाकुर गोपाल की रथयात्रा धूमधाम के साथ निकाली गई। क्षेत्रीय विधायक पूरन प्रकाश ने आतिशबाजी मेले के शुभारंभ पर कहा कि यदि राया क्षेत्र में कोई ग्राम सभा भूमि उपलब्ध कराती है, तो क्षेत्र के बच्चों के लिए मिनी स्टेडियम का निर्माण कराया जाएगा। ब्रज प्रेस क्लब के अध्यक्ष कमलकांत उपमन्यु ने कहा कि ऐसे मेला महोत्सव आपसी भाईचारे और सामाजिक एकता को मजबूत करते हैं। इससे पूर्व मुख्य अतिथियों ने माता मनकामेश्वरी देवी की पूजा–अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त किया। आयोजन समिति द्वारा अतिथियों का चुनरी ओढ़ाकर एवं माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। आतिशबाजी के उपरांत रसिया दंगल का आयोजन भी उत्साह के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर चेयरमैन राजकुमार अग्रवाल, कमेटी अध्यक्ष अभिषेक पाराशर, मेला संचालक मनोज नागर, विधायक प्रतिनिधि तरुण प्रकाश, अरविंद शर्मा, भूपेश अग्रवाल, विशाल पाराशर, अनिल रावत, सोनू सिरोही, मनोज वार्ष्णेय, विकास चौधरी, पीयूष शर्मा, सचिन अग्रवाल, रविकांत वर्मा सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन मुकेश अग्रवाल व मोहित गौड़ ने किया।

माटीकला कारीगरों को मिला संबल टूल–किट वितरण कर किया जागरूक

यूनिक समय, मथुरा। सरकार के नव निर्माण के 9 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर जनपद में कारीगरों और ग्राम्य उद्यमिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से उप्र खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड, मथुरा के जनपदीय कार्यालय द्वारा राजीव भवन प्रांगण में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत निःशुल्क माटीकला टूल–किट्स वितरण योजना के तहत लाभार्थियों को विद्युत चालित चाक एवं पग मिल मशीनें वितरित की गईं। जिला ग्रामोद्योग अधिकारी अनिल अग्रवाल ने बताया कि इस योजना का उद्देश्य पारंपरिक कारीगरों को आधुनिक उपकरण उपलब्ध कराकर उनकी उत्पादकता बढ़ाना और उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। दोना मेकिंग मशीन भी वितरित की गई। मुख्य अतिथि विधायक पूरन प्रकाश ने कहा कि जिससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर मिलेंगे। खादी प्रोत्साहन नीति के अंतर्गत जनपद के 10 विकास खण्डों से चयनित 20 ग्राम प्रधानों को अंगवस्त्र एवं पुरस्कृत धनराशि देकर सम्मानित किया गया। जिला उपाध्यक्ष श्रीमती मनीषा पराशर, मुख्य विकास अधिकारी श्रीमती पूजा गुप्ता एवं निदेशक जिला सहकारी बैंक राया अनिल रावत ने संयुक्त रूप से लाभार्थियों को टूल–किट्स वितरित किए। इस मौके पर श्रीमती अनीता गुप्ता, श्रीमती अल्का भटनागर, मनीष, सविता, दिलीप कुमार आदि मौजूद रहे।

गृहकर जमा करने के लिए रविवार को भी खुलेंगे कर विभाग के कार्यालय

यूनिक समय, मथुरा। वर्तमान वित्तीय वर्ष 2025–26 की समाप्ति में अब केवल तीन दिन शेष रह गए हैं। गृहकर जमा करने में भवन स्वामियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए नगर निगम के कर विभाग ने विशेष व्यवस्था की है। कर विभाग द्वारा जारी प्रेस नोट के अनुसार, रविवार को सार्वजनिक अवकाश होने के बावजूद विभाग के सभी जोनल कार्यालय अन्य कार्यदिवसों की भांति खुले रहेंगे। इस दिन सभी अधिकारी एवं कर्मचारी अपने–अपने कार्यालयों में उपस्थित रहकर करदाताओं को सेवाएं प्रदान करेंगे। विभाग ने भवन स्वामियों से अपील की है कि वे अपने भवन का गृहकर समय रहते जमा कर दें।

घरेलू गैस, पेट्रोल–डीजल वाली अफवाहों से दूर रहें: डीएसओ

यूनिक समय, मथुरा। जिला पूर्ति अधिकारी संजीव कुमार ने जनपदवासियों को जानकारी देते हुए बताया कि जिले में घरेलू गैस, पेट्रोल–डीजल और सीएनजी की आपूर्ति पूरी तरह सुचारू रूप से जारी है। किसी भी प्रकार की कमी या बाधा नहीं है, इसलिए लोग अफवाहों पर ध्यान न दें और अनावश्यक भीड़ नहीं लगानी चाहिए। उन्होंने कहा कि जनपद में इंडेन गैस की 44, भारत गैस की 11 और हिन्दुस्तान पेट्रोलियम की 6 एजेंसियां संचालित हैं। जिले में 61 गैस एजेंसियों के माध्यम से उपभोक्ताओं को ऑनलाइन बुकिंग के बाद 3 से 4 दिन में होम डिलीवरी दी जा रही है। डीएसओ ने उपभोक्ताओं से कहा कि आईवीआरएस, मिस्ड कॉल, व्हाट्सएप, बीबीपीएस (पेटीएम, गूगल पे) एवं संबंधित कंपनी के ऐप के जरिए ही गैस बुकिंग करें और एजेंसियों पर भीड़ न लगाएं। नगरीय क्षेत्रों में डीबीसी/सिंगल गैस कनेक्शन धारक 25 दिन बाद और ग्रामीण क्षेत्रों में 45 दिन बाद ही गैस सिलेंडर की बुकिंग कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि घरेलू गैस की आपूर्ति में कोई समस्या नहीं है, हालांकि फिलहाल व्यावसायिक सिलेंडरों की आपूर्ति सीमित है। जनपद में आईओसीएल के 103, बीपीसीएल के 50, एचपीसीएल के 38, रिलायंस जियो बीपी के 4 और नायरा के 10 पेट्रोल पंप सहित कुल 205 रिटेल आउटलेट संचालित हैं। इन सभी पर पेट्रोल, डीजल और सीएनजी की आपूर्ति सामान्य है। टोरेंट पावर लिमिटेड द्वारा नगरीय क्षेत्रों में पाइप लाइन के माध्यम से घरेलू पीएनजी गैस की आपूर्ति की जा रही है। वर्तमान में 24,737 पीएनजी कनेक्शन सक्रिय हैं, जिन पर 24 घंटे गैस उपलब्ध है। शासन के निर्देश पर गैस एजेंसियों, पेट्रोल पंपों और सीएनजी स्टेशनों की नियमित जांच के लिए प्रवर्तन टीमें सक्रिय हैं। किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर संबंधित एजेंसी या पंप के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है।

वार्षिक परीक्षाफल एवं पुरस्कार वितरण समारोह संपन्न

यूनिक समय, वृन्दावन। श्याम सुंदर धानुका सरस्वती विद्या मंदिर में वार्षिक परीक्षाफल वितरण एवं पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि द्वारा सभी स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि राजकुमारी धानुका ने दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना से किया गया। विद्यालय की प्रधानाचार्या विजया लक्ष्मी सावत ने मुख्य अतिथियों का परिचय एवं स्वागत कराया। विद्यालय के प्रबन्धक पद्मनाभ गोस्वामी ने छात्रों को बधाई देते हुए कहा कि कोई भी परिणाम हमारे व्यक्तित्व की पूरी कहानी नहीं कहता, लेकिन वह हमारे प्रयासों का आईना अवश्य होता है। विद्यालय के कोषाध्यक्ष शिवेन्द्र गौतम ने कहा कि छात्र पूर्ण मनोयोग से अध्ययन करें तथा निरन्तर अपने लक्ष्य पर प्रगति करते करें। विशिष्ट अतिथि ललिता भरतिया ने छात्रों को वर्तमान परिस्थितियों के अनुरूप सही दिशा में बढ़ने के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर श्रीमती कल्पना देवी राठौर, भरत शर्मा, श्रीमती वन्दना गुप्ता, अनुराधा शर्मा, श्रीमती भारती, श्रीमती आरतीपाल, अभिषेक, गगन, विवेक, श्रीमती आदि मौजूद रहे।